E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

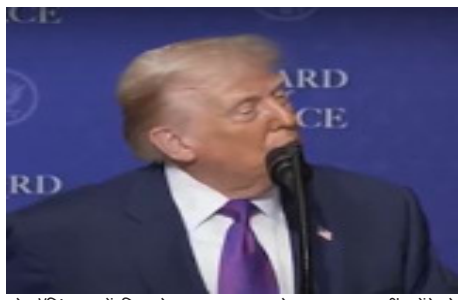

वर्ष -11 अंक -286 | प्रयागराज, शनिवार 21 फरवरी, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- मैंने भारत-पाक को 200फीसदी टैरिफ की चेतावनी दी,तब लड़ाई रोकने के लिए मान

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को वॉशिंगटन में फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों पर 200फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद वे संघर्ष रोकने के लिए माने। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ये बात 'बोर्ड ऑफ पीस' कार्यक्रम में कही। ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच हालात बहुत खराब थे, लड़ाई तेज हो गई थी और विमान गिराए जा रहे थे। मैंने दोनों नेताओं (मोदी और शहबाज शरीफ) को फोन किया। मैं पीएम मोदी को अच्छी तरह जानता हूं। ट्रम्प ने कहा कि मैंने दोनों से साफ कह दिया था कि

अगर वे झगड़ा खत्म नहीं करेंगे तो मैं उनके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा। ट्रम्प के मुताबिक दोनों देश लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे का मामला आया और नुकसान की बात सामने आई तो वे मान गए। ट्रम्प ने दावा किया कि इस संघर्ष के दौरान 11 महंगे फाइटर जेट्स गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि ये फाइटर जेट्स किस देश के थे। बैठक में ट्रम्प ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनके चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा था कि ट्रम्प ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाकर 2.5 करोड़ लोगों की जान बचाई। इस दौरान ट्रम्प ने शहबाज शरीफ से खड़े होने के लिए कहा वो खड़े हो गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वहीं, शहबाज शरीफ ने ट्रम्प से कहा कि वे दक्षिण एशिया के रक्षक हैं।पाकिस्तानी आतंकियों ने पिछले साल 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय टूरिस्ट्स को मार दिया था। इसके बाद भारत ने 6 और 7 मई की रात पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई की थी। इन ठिकानों में पाकिस्तान के पंजाब राज्य के बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाके भी शामिल थे।इसके जवाब में 8 मई की शाम को पाकिस्तान ने भारत के एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला करने की कोशिश की। उसने तुर्किये और चीन के ड्रोन का इस्तेमाल किया, लेकिन इसमें उसे कामयाबी नहीं मिली।भारत की एयरफोर्स पूरी तरह से एक्टिव थी और छोटे से लेकर बड़े एयर डिफेंस सिस्टम तक हर हथियार तैयार था। इन हथियारों ने पाकिस्तान के ड्रोन्स को काफी नुकसान पहुंचाया।

9 साल में योगी-सरकार ने बदल दी यूपी की तस्वीर,महादेव चाहे तो फिरसे आऊंगी-सिंगर अभिलिप्सा

गोरखपुर। महाशिवरात्रि महोत्सव के मौके पर गोरखपुर में

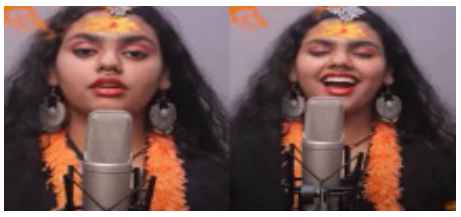

आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर अभिलिप्सा ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। कार्यक्रम के बाद उन्होंने अपने फैंस और आयोजकों का धन्यवाद किया और गोरखपुर में बिताए दो दिनों के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया की मैं गोरखनाथ मंदिर पहली बार गई बिल्कुल नया एक्सपीरियंस रहा यहां का वातावरण काफी शानदार और शांतिपूर्ण है। वहां बैठकर मेडिटेत करने का अच्छा माहौल है। मैं वहां से दो बुक्स भी लिए मुझे किताब पढ़ने का बहुत शौक है। अभिलिप्सा ने कहा कि मैं नाथ संप्रदाय के बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक हूं उन्हीं की किताब ली है अब पढ़ कर समझ में आएगा आखिर नाथ संप्रदाय क्या है इसके बाद मैं अपना एक्सपीरियंस सबको जरूर शेयर करूंगी।उन्होंने गोरखपुर आने से लेकर जाने तक दिए सभी इंटरव्यू में योगी सरकार के कानून व्यवस्था को लेकर खूब तारीफ की। उन्होंने यूपी में महिलाओं की सेफ्टी पर भी सरकार की योजना को सराहा।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में काफी विकास हुआ है और गोरखपुर का स्वरूप भी बदला है। 'यहां की सरकार डेवलपमेंट कर रही रही है, 10-20 साल का यूपी और आज का यूपी बहुत ही अलग है। पिछले कुछ सालों में गोरखपुर का नया स्वरूप निखरकर सामने आया है।'

एआई समिट

बड़े इवेंट्स में गड़बड़ियां हो सकती हैं-शशि थरूर,समिट की करी तारीफ,राहुल ने इसे पीआर तमाशा बताया था

नयी दिल्ली। दिल्ली में चल रहे एआई समिट में गलगोटिया

यूनिवर्सिटी विवाद चर्चा में है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर पार्टी सांसद शशि थरूर की टिप्पणी सामने आई है। उन्होंने कहा- समिट में पहले कुछ दिन बहुत अच्छे रहे, कुछ गड़बड़ियां हुई हैं, लेकिन बड़े इवेंट्स में ऐसी समस्याएं हो सकती हैं।थरूर ने समिट की तारीफ करते हुए कहा- जो बात प्रभावशाली रही वह राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और दुनिया के नेताओं की मौजूदगी थी। वे सभी एआई डेवलपमेंट में नई इंटीग्रेटेड दुनिया देखने की इच्छा के एक मजबूत संदेश के साथ आए थे। दरअसल, गुरुवार को दिल्ली में थरूर की केरल के महान समाज सुधारक संत श्री नारायण गुरु पर लिखी अपनी किताब की लॉन्चिंग हुई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किताब 'हिंदू धर्म को पुनर्परिभाषित करने वाले संतः श्री नारायण गुरु का जीवन, पाठ और विरासत' का विमोचन किया। थरूर ने ये भी कहा की कई नेता एआई डेवलपमेंट में एक नई इंटीग्रेटेड दुनिया देखने के मजबूत मैसेज के साथ आए हैं, जहां समाज पर असर ही प्रिंसिपल होगा। भारत में व्यस्तता ने साफतौर पर इस एरिया में ड्राइव को लीड किया है। जहां तक ??फ्रेंच राफेल की बात है, इसके कुछ हिस्से भारत में बनाए जा रहे हैं। यह डील का एक बहुत जरूरी पहलू है क्योंकि यह डिफेंस को मजबूत करने का हिस्सा है। इंडिया के लिए डिफेंस इसलिए जरूरी नहीं है कि हम जंग में जाना चाहते हैं, बल्कि इसलिए कि हम नहीं चाहते कि दूसरे यह सोचें कि हम इतने कमजोर हैं कि वे जंग में जाने के लिए ललचा सकते हैं। यह सचमुच एक डिफेंसिव डिफेंस है, और हम इसी के लिए काम कर रहे हैं और मैं इस पर सरकार का सपोर्ट करता हूं। आने वाली फिल्म केरल स्टोरी 2 पर थरूर ने कहा कि पहली फिल्म, केरल स्टोरी, एक नफरत फैलाने वाली फिल्म थी। वे कह रहे थे कि हजारों लोगों का धर्म बदला गया, जो सच नहीं है। मुझे लगता है कि कई सालों में ऐसे लगभग 30 मामले हुए। हमारा देश बहुत बड़ा है। अगर कोई मामला यहां-वहां होता है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आप इसे एक बड़ी कहानी में बदल दें।

विजयवर्गीय के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन में पुतला दहन के दौरान भड़की आग से ट्रैफिक टीआई झुलसे,आईसीयू में भर्ती

मैहर। मैहर जिले में शुक्रवार सुबह कांग्रेस के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ किए जा रहे पुतला दहन के दौरान आग अचानक भड़क गई है। हालात संभालने और पुतला छीनने की कोशिश कर रहे ट्रैफिक टीआई विक्रम पाठक इस आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। हैरानी और संवेदनहीनता की बात यह रही कि जब टीआई की वर्दी में आग लगी थी और अन्य पुलिसकर्मी उसे बुझाने की जद्दोजहद कर रहे थे, तब वहां मौजूद कांग्रेसी कार्यकर्ता पार्टी के जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। घायल टीआई को गंभीर हालत में मैहर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, यह प्रदर्शन कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेश

घई के नेतृत्व में आयोजित किया गया था, जिसकी पूर्व में अनुमति ली गई थी। हाल ही में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्दों का प्रयोग किया था। इसी के विरोध में शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे कांग्रेसी कार्यकर्ता मंत्री विजयवर्गीय का पुतला फूंकने के लिए इकट्ठा हुए थे। जब प्रदर्शनकारी पुतले पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा रहे थे, तब ट्रैफिक टीआई विक्रम सिंह पाठक ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। इसी दौरान अचानक तेज आग भड़क उठी और टीआई पाठक उसकी चपेट में आ गए। आग की चपेट में आने से टीआई विक्रम सिंह की कमर, पीठ, जांघ और हाथ बुरी तरह झुलस गए हैं। उन्हें तुरंत मैहर के सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों की टीम उनके इलाज में जुटी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल या जबलपुर रेफर किए जाने की संभावना है। घटना की जानकारी लगते ही मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ और एसपी अवधेश प्रताप सिंह अस्पताल पहुंचकर कर घायल का हालचाल जाना है। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में भारी रोष है। मैहर के एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि आज पुतला दहन के प्रदर्शन में ड्यूटी के दौरान हमारे पुलिस अधिकारी विक्रम पाठक आग से झुलस जाने के कारण घायल हुए हैं और अस्पताल में इलाजरत हैं। इस घटना से हम सभी आहत हैं। जिम्मेदारों को इतना समझना चाहिए कि सार्वजनिक प्रदर्शनों में, आम चौराहों पर पेट्रोल जैसे ज्वलनशील पदार्थ का उपयोग बिल्कुल नहीं होना चाहिए। अचानक भड़कने वाली आग आमजनों को भी भारी नुकसान पहुंचा सकती है।

भागवत जिस वंदे भारत से मेरठ पहुंचे, उस पर पथराव,स्टेशन पर सिक्योरिटी के बीच उतरे

मेरठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत जिस वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ पहुंचे, उस पर हरदोई में पथराव किया गया। पत्थरबाजी से ट्रेन की एक खिड़की का शीशा टूट गया। घटना गुरुवार दोपहर करीब 3.20 बजे हुई, जब ट्रेन दिल्ली की ओर जा रही थी। संघ प्रमुख सुरक्षित हैं। ट्रेन पर पथराव किसने किया? इसकी जांच हरदोई जीआरपी कर रही है। जीआरपी दो कारण मान रही है। पहला- बच्चे ट्रैक के पास क्रिकेट खेल रहे थे, बॉल लगने से ऐसा हुआ। दूसरा- शरारती बच्चे ने ट्रेन पर पत्थर फेंके होंगे। मोहन भागवत रात 9 बजे मेरठ स्टेशन पर सिक्योरिटी के बीच उतरे। वह शताब्दीनगर के माधवकुंज में ठहरे हैं। यहां वे 20 और 21 फरवरी

को दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। 28 जिलों के प्रबुद्धजनों से बातचीत करेंगे। साथ ही खिलाड़ियों से उनके सामाजिक अनुभवों को लेकर बातचीत भी कर सकते हैं। कोच सी4 में सवार थे मोहन भागवत वाराणसी से मेरठ तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस दोपहर में 1.50 बजे लखनऊ के प्लेट फार्म नंबर चार से मेरठ के लिए रवाना हुई। ट्रेन हरदोई में कोतवाली देहात के कौढ़ा गांव के पास बलोखर फाटक के पास पहुंची थी, तभी एक कोच की खिड़की पर जोरदार पत्थर आकर लगा। तेज आवाज के साथ शीशा चटक गया। अंदर बैठे यात्रियों में खलबली मच गई। उस वक्त 3.20 बज रहे थे। मोहन भागवत ट्रेन के कोच नंबर ई1 में सवार थे। ट्रेन स्टॉफ ने तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली देहात पुलिस सबसे पहले मौके पर पहुंची। हालांकि ट्रेन वहां से गुजर चुकी थी। जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ की गई है। जीआरपी मान रही है कि कुछ बच्चों ने ट्रेन पर शरारत में पत्थर फेंके, हालांकि इससे वंदे भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हरदोई के सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया-कौढ़ा गांव के पास कुछ बच्चे रेलवे ट्रैक किनारे क्रिकेट खेल रहे थे। आशंका है कि गेंद ट्रेन से टकराई हो या शरारतन पत्थर फेंका गया हो। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय जानकारी के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मेगा हेल्थ कैम्प का होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज श्रीमती हर्षिका सिंह की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज द्वारा दिनांक 22.02.2026 को प्रातः 10.00 बजे से मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन राम दुलारी बच्ची लाल जायसवाल पी0जी0 कालेज नबाबगंज प्रयागराज में आयोजित किया जायेगा। इस कैम्प में विशेषज्ञ चिकित्सकों में फिजीशियन डा0 दीपेश अग्रवाल, आई0सर्जन डा0 राम मिलन, आर्थोसर्जन डा0 रणधीर सिंह, ई0एन0टी0 सर्जन डा0 विधानचन्द्र विश्वास, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा0 पूनम पाण्डेय, बाल रोग विशेषज्ञ डा0 अमरेश वर्मा, अपनी सेवायें देगें। इस अवसर पर दिव्यांग कैम्प का आयोजन भी किया जायेगा जिसमें दिव्यांगों की जाँच कर दिव्यांग कार्ड दिव्यांग बोर्ड की संस्तुति से बनाया जायेगा। दिव्यांग कार्ड बनवाने के इच्छुक सभी लाभार्थियों से अनुरोध है कि ये आनलाइन रजिस्ट्रेशन स्वालम्बन कार्ड (ळऊछ) पर कराकर आयें। इस कैम्प में आयुष्मान कार्ड भी बनाये जायेगें। आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु पात्रता - 2011 की लिस्ट में नाम शामिल हो, राशन कार्ड में परिवार में 06 सदस्य हों, लाभार्थी को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का आयुष्मान से सम्बन्धित पत्र प्राप्त हुआ हो, परिवार के पास गुलाबी रंग का अत्योदय कार्ड हो, व्यक्ति का श्रम कार्ड बना हो, राशन कार्ड में यदि दो सदस्य हों तो उनकी उम्र 60 साल से ऊपर हो। 70 साल से अधिक उम्र के सभी लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनेगा, उन्हें केवल अपना आधार कार्ड लाना होगा। इस अवसर पर ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन भी किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति जनहित में ब्लड डोनेशन कर सकते है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज में जनता से अपील की है कि इस मेगा हेल्थ कैम्प में अधिक से अधिक भाग लेकर इस आयोजन को सफल बनाये।

भाई का मर्डर करके शव घर में दफनाया,कब्र में 100 किलो नमक डाला,मां रिटायर्ड पेशकार झांसी में पिता टीचर थे

झांसी। झांसी में अजीब मामला सामने आया हैं जहां गाली देने पर एमबीए पास बड़े भाई की उसके छोटे भाई ने हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने घर के पीछे 5 फीट गहरी कब्र खोदकर शव को दफना दिया। लाश जल्दी गल जाए, इसके लिए उसने कब्र में 100 किलो नमक डाल दिया। घटना 9 फरवरी की है। उस वक्त घर में दोनों भाई ही मौजूद थे, जबकि मां मायके गई हुई थी। हत्या के अगले दिन मां ने फोन किया, लेकिन बड़े बेटे का मोबाइल स्विच ऑफ आया। उन्होंने छोटे बेटे से बात की तो उसने बताया कि भाई कहीं चले गए हैं। आरोपी ने चार दिन तक परिवार को गुमराह किया। फिर

थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद परिजन बेटे की तलाश करते रहे, लेकिन आरोपी भाई को खोजने में रुचि नहीं ले रहा था। इस पर मामा को शक हुआ। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। 19 फरवरी को पुलिस ने आरोपी को थाने बुलाकर पूछताछ की। सख्ती करने पर उसने हत्या की बात कबूल कर ली। पुलिस आरोपी को लेकर घर पहुंची, जहां वह 3 घंटे तक पुलिस को गुमराह करता रहा। रात 12 बजे एसएसपी और मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे। सख्ती बढ़ने पर आरोपी ने कब्र की जगह बताई। इसके बाद शव बाहर निकाला गया। फिलहाल, आरोपी की पत्नी और साला फरार हैं। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है। घटना प्रेमनगर थाना के बिहारीपुरा मोहल्ले की है।

कुत्ते को लात मरने पर दुल्हन ने मंडप से बारात लौटा दी,दूल्हा फूट-फूटकर रोया-मानी नहीं,चले लाठी-डंडे

फतेहपुर। फतेहपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दुल्हन ने सिर्फ इसलिए बारात लौटा दी, क्योंकि एक बाराती ने उसके पालतू कुत्ते को लात मार दी थी। जबकि दूल्हा-दुल्हन की लव मैरिज थी। दुल्हन एक महीने पहले प्रेमी के साथ घर से भागकर आर्य समाज मंदिर में शादी कर चुकी थी। बाद में दोनों परिवारों ने बातचीत की। तय हुआ कि दोनों की शादी कर दी जाए। 18 फरवरी को शादी तय हुई। लड़की पक्ष प्रयागराज से फतेहपुर पहुंचा। जयमाल के बाद शादी की रस्में चल रही थीं। इसी दौरान मंडप के पास बैठा कुत्ता भौंकने लगा। इस पर एक बाराती ने उसे लात मार दी। दुल्हन ने यह देखा तो वह भड़क गई। देखते-देखते विवाद इतना बढ़ा कि बाराती और घराती आपस में भिड़ गए। मारपीट में कई लोगों के सिर फट गए। दुल्हन की भी उंगली में फ्रैक्चर हो गया। मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस ने दोनों पक्षों से समझौते की बात की, लेकिन दुल्हन शादी तोड़ने पर अड़ी रही। दूल्हा फूट-फूटकर रोता रहा, फिर भी दुल्हन नहीं मानी। दोनों दो साल से रिलेशन में थे। कोर्ट मैरिज का रजिस्ट्रेशन भी करा चुके थे। घटना बुधवार रात खागा कोतवाली क्षेत्र के कान्हा गेस्ट हाउस की है।लड़का सुमित केसरवानी (25) फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है। खागा सर्राफा बाजार में ही उसकी ज्वेलरी की दुकान है। उसका पूरा परिवार यहीं काम करता है। सुमित ने बताया- दो साल पहले प्रयागराज के कटरा की रहने वाली तनु केसरवानी से उसकी मुलाकात हुई थी। तनु ने बीए किया है।

नैनी में छात्रा ने किया सुसाइड,पंखे से लटकता मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

प्रयागराज। नैनी पीडीए कॉलोनी स्थित सी ब्लॉक में गुरुवार

को 15 वर्षीय किशोरी ने पंखे में दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना घरवालों ने नैनी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच कई पहलुओं पर की जा रही है। पुलिस को मौके पर कोई सुसाइड नोट या मोबाइल नहीं मिला। जानकारी के अनुसार, नैनी सी ब्लॉक के ईसी 107 में रहने वाली सुमन देवी अपने मायके में दो बेटे और एक बेटी के साथ रहती थीं। उनकी बेटी अंशिका गौड़ (15) अपने भाइयों सुमित और आर्यन के साथ रहती थी। गुरुवार को अंशिका खाना खाने के बाद अपने कमरे में चली गई, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आई। उसके भाई ने आवाज लगाई, फिर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। कमरे की पास की खिड़की से झांकने पर देखा गया कि अंशिका का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक रहा था।भाइयों की चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंशिका को फंदे से नीचे उतारा। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पीडीए चौकी इंचार्ज अमित कुमार द्विवेदी ने बताया कि जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में किशोरी के मानसिक तनाव में रहने की बात सामने आई है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बदला मौसम, बूंदाबांदी ने बढ़ाई सर्दी,तापमान में गिरावट, किसान निराश

प्रयागराज। पिछले कुछ दिनों से जहां एक तरफ कड़ाके की धूप

और बढ़ती गर्मी के बीच लोग हैरान थे वहीं अब मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रयागराज में गुरुवार से आसमान में घने बादल छाए रहे और बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इसके चलते एक बार फिर ठंड का एहसास बढ़ गया है। सुबह और शाम के समय गलन महसूस की जा रही है। लगातार तेज धूप के कारण तापमान बढ़ने लगा था और दिन में गर्मी का असर दिख रहा था। लेकिन अचानक मौसम पलट गया। गुरुवार को दिनभर बादल छाए रहे, वहीं शुक्रवार सुबह से भी आसमान में बादल डेरा डाले हुए हैं। फिलहाल धूप निकलने के आसार कम नजर आ रहे हैं।धूप नहीं निकलने और बादलों की मौजूदगी के कारण अधिकतम तापमान में करीब 5 से 6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। इससे दिन में भी ठंड का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में हल्की बारिश और तेज हवा चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर सुबह और शाम के समय ठंड से बचाव करने को कहा है।मौसम में आए इस बदलाव ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी फसलों पर बारिश और तेज हवा का असर पड़ सकता है। खासकर गेहूं और दलहन की फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। शहरवासियों को सुबह-शाम ठंड और दिन में ठंडी हवाओं का सामना करना पड़ रहा है।

एफआईआर दर्ज कराने पर पीड़ित पर किआ हमला,मारपीट कर कार में की तोड़फोड़,तीन हिरासत में

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सौरा जलालपुर गांव में

एफआईआर दर्ज कराने के बाद पीड़ित को दबंगों ने रास्ते में रोककर मारपीट की और उसकी कार में तोड़फोड़ की।

घटना के बाद सोशल मीडिया पर लाठी-डंडे से मारपीट और कार में तोड़फोड़ का एक वीडियो वायरल हो गया है।पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।पीड़ित रवि कुमार पांडेय ने 16 फरवरी को एक एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद 18 फरवरी को विवेचक को बुलाने पर जलालपुर जा रहे थे। वह कार से निकले। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। रास्ते में लाठी-डंडों से पिटाई शुरू करदी। उनकी कार में तोड़फोड़ कर दी।

इस दौरान आरोपियों ने पीड़ित रुपए, मोबाइल और गले की सोने की चेन लूट ली। पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी गई।

मारपीट के दौरान रवि पांडेय, अंजनी कुमार पांडेय और संतोष कुमार पांडेय को गंभीर चोटें आईं। एक घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

चोर किशन चौहान प्रयागराज से गिरफ्तार,कई जिलों में दर्ज हैं मामले जीआरपी ने पकड़ा

प्रयागराज। रेलवे पुलिस ने एक शातिर चोर किशन चौहान को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी कई

जिलों में वांछित था और उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। जीआरपी पुलिस ने किशन चौहान को 19 फरवरी को प्रयागराज रेलवे स्टेशन से पकड़ा। गिरफ्तारी के समय, पुलिस ने उसके पास से लगभग 11,000 रुपये मूल्य का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपी किशन चौहान मिर्जापुर के कोतवाली देहात क्षेत्र का निवासी है।किशन चौहान का आपराधिक इतिहास काफी लंबा और विस्तृत है। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ गोरखपुर, कानपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर (डीडीयू) और प्रयागराज के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन मामलों में चोरी, लूट और एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप शामिल हैं।उसके खिलाफ दर्ज कुछ प्रमुख मामले इस प्रकार हैंः गोरखपुर में एनडीपीएस एक्ट (मुकदमा संख्या 38/2023), कानपुर में चोरी और लूट (मुकदमा संख्या 207/2023), डीडीयू में चोरी और चोरी का सामान बेचने का आरोप (मुकदमा संख्या 321/2023), प्रयागराज में एनडीपीएस एक्ट (मुकदमा संख्या 030/2022) और प्रयागराज में चोरी (मुकदमा संख्या 327/2021)।आरोपी रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन तथा अन्य सामान चुराकर उन्हें बेचता था।

रीमांकान का आठवां संस्करण 21 फरवरी 2026 को संपादित होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आई.एम. ए . रायबरेली एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन के तत्वाधान में 21 फरवरी 2026 को स्थानीय बटोही रिजॉर्ट में रीमाकान 2026 का आठवां संस्करण आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9:30 से प्रारंभ होकर सायं कल 5:30 तक चलेगा। प्रथम सेशन प्रातः9:30 पर प्रारंभ होगा। यह कार्यक्रम डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह के द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय इंसुलिन विद ओरल रोट ए न्यू ब्रेक थ्रू विषय पर डॉक्टर अरुण पांडे विशेषज्ञ एंडोक्राइन डायबिटीज़ एवं थाइरॉएड क्लिनिक द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में दूसरा लेक्चर डॉक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा एप्रोच टू अ केस का थ्रांबोसाइटोपेनिया विषय पर प्रस्तुत किया जाएगा। द्वितीय सेशन 10:30 पर प्रारंभ होगा इस सेशन का निर्देशन डॉ पूजा द्विवेदी द्वारा किया जाएगा। इस सेशन में फाइब्रोस्कैन रेलीवेंस एंड इंटरप्रिटेशन डॉक्टर आलोक कुमार सिंह कंसल्टेंट मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ एवं 11:00 बजे से डीलिंग विद ई डी विषय पर डॉक्टर प्रदोष तिवारी बहराइच से अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। तीसरा सेशन 12:00 बजे से प्रारंभ होगा जिसका निर्देशन डॉक्टर

श्वेता वर्मा करेगी इस सेशन में एप्रोच तो मसल्स डिसऑर्डर इन दे तो दे ओपीडी विषय पर डॉक्टर विमल पालीवाल प्रोफेसर न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट एसजीपीजीआई एवं दूसरा लेक्चर क्लीनिकल एप्रोच टू अ केस का एनीमिया विषय पर डॉक्टर एके गुप्ता आगरा तथा इसी सेशन में तीसरा लेक्चर मैनेजमेंट आफ हाइपरटेंशन कुमार ब्रिटिश विषय पर डॉक्टर अर्पित गुप्ता विवेकानंद हॉस्पिटल लखनऊ अपना व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। इस तीनों सेशन के चेयरपर्सन डॉक्टर एस.के.जैन,डॉक्टर आनंद त्रिपाठी,डॉक्टर बृजेश सिंह एवं डॉ अनिरुद्ध मुखर्जी रहेंगे। इस सेशन के बाद उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतीत डॉ राजीव गोयल डॉक्टर शरद कुमार अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एके गुप्ता एवं डॉक्टर नवीन चंद्र के साथ इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का क्लिनिकल मेडिसिन के अध्यक्ष डॉ बृजेश सिंह एवं आई.एम.ए.के अध्यक्ष डॉक्टर संजीव जायसवाल के द्वारा गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर ओमिका चौहान द्वारा किया जाएगा। चौथा सेशन अपराहन 2:30 पर शुरू होगा इस सेशन का निर्देशन डॉक्टर दीपा आहूजा द्वारा किया जाएगा इस सेशन में पहले लेक्चर पिटफॉल्स में डायग्नोसिस ऑफ़ पीसीओडी विषय पर डॉ मधुकर मित्तल एम्स रायबरेली दूसरा लेक्चर रोल ऑफ यूनो थेरेपी इन लिवर कैंसर पर डॉक्टर अजय मिश्रा एसजीपीजीआई लखनऊ एवं इस सेशन का आखिरी लेक्चर अवेलेबल ओर अप्रूव्ड रिजेमस फॉर ओबेसिटी विषय पर डॉक्टर के पी चंद्र सिटी विस्तार हॉस्पिटल द्वारा व्याकरण प्रस्तुत किए जाएंगे इस कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉक्टर मीरा मलिक, डॉक्टर निधि सिंह एवं डॉ बीरबल रहेंगे इस रीमाकान 2026 का आखिरी सेशन डॉक्टर अजय श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रारंभ होगा इस सेशन में पहले लेक्चर कॉन्सेप्ट टॉकिंग एंड आर्ट टू प्रोटेक्ट योरसेल्फ एंड दूसरे लेक्चर का विषय मेजर मेडिको लीगल इश्यू इन डे टू डे प्रैक्टिस पर डॉक्टर जेके गुप्ता आई.एम. पी.मेडिको लीगल चैप्टर विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे इस कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉक्टर कर्नल सुरजीत शर्मा डॉक्टर संकल्प एवं डॉ सुयश सिंह रहेंगे। रीमाकान 2026 के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉक्टर डी. आर. मौर्य है, जिनके निर्देशन में इस कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। आई.एम. ए. उपाध्यक्ष डॉ मनीष चौहान ने इस कार्यक्रम को संचालित करने में अपना मुख्य योगदान प्रस्तुत किया।

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

नेंनी औद्येगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

स्कॉर्पियो ने बाइक सवारों को रौंदा,1 मौत 3 घायल

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र में अयोध्या-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर गुरुवार को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक को भीषण टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, चारों युवक बाइक पर बैठकर बारात में जा रहे थे। मृतक की पहचान सोरांव थाना क्षेत्र के जमुई गांव निवासी भागीरथी के पुत्र नीरज (22) के रूप में हुई है। उसके साथ बाइक पर सवार पवन कुमार पुत्र राजेंद्र, सचिन पुत्र राम शरण और दीपू पुत्र दुर्गविजय गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायल भी जमुई गांव के ही रहने वाले हैं। चारों युवक जमुई गांव से शाहबाजपुर गांव थाना मऊआइमा में आयोजित बारात में शामिल होने के लिए जा रहे थे।

'नेतृत्व विकास एवं प्रेरणा' कार्यक्रम का समापन समारोह संपन्न, सभी 25 प्रतिभागियों की गरिमामयी उपस्थिति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली/लखनऊ। विकास आयुक्त (एमएसएमई), निर्माण भवन, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित एक सप्ताह के 'नेतृत्व विकास एवं प्रेरणा' प्रबंधन विकास कार्यक्रम का समापन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य विभाग, Feroze Gandhi College तथा वाणिज्य विभाग, Khwaja Moinuddin Chishti Language University के संयुक्त सहयोग से किया गया।समापन दिवस के शैक्षणिक सत्र-समापन दिवस के प्रथम विषय विशेषज्ञ डॉ. अरविंद सिंह, शिक्षा विभाग ने 'न्यू लीडरशिप' विषय पर व्याख्यान देते हुए नई शिक्षा प्रणाली में नेतृत्व की भूमिका स्पष्ट की। उन्होंने स्वतंत्र भारत से गणतंत्र भारत तक नेतृत्व की यात्रा का उल्लेख करते हुए B. R. Ambedkar के योगदान को रेखांकित किया तथा नवीन नेतृत्व शैली के संदर्भ में भगवान राम के आदर्शों का उदाहरण प्रस्तुत किया।द्वितीय वक्ता डॉ. शामिनी श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग ने 'कमांड, कंट्रोल एवं एम्पावरमेंट में नेतृत्व एवं प्रेरणा' विषय पर अपने विचार रखे। तृतीय वक्ता श्री सुमित कुमार, गणित विभाग ने 'निर्णय-निर्माण में गणित की भूमिका' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। वैलेडिक्टरी सत्र-वैलेडिक्टरी सत्र में कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अरुण कुमार ने मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार सिंह (एएसपी) का स्वागत किया। विद्यार्थियों– अंकुर अग्रवाल एवं रिकिशा कृपलानी ने 'शिक्षकों की भूमिका नेतृत्व एवं प्रेरणा में' विषय पर भाषण प्रस्तुत किया। श्रेया गुप्ता एवं साक्षी द्विवेदी ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया, सुभी सिंह ने प्रेरक वक्तव्य दिया तथा तनुजा सिंह ने गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि श्री संजीव कुमार सिंह (एएसपी) ने विद्यार्थियों के मानसिक दबाव, आंतरिक प्रेरणा तथा मोबाइल के संतुलित उपयोग पर अपने विचार रखते हुए सभी प्रतिभागियों एवं आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं।

सभी 25 प्रतिभागियों के नाम समापन अवसर पर उपस्थित सभी 25 प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं- डॉ. सुभाषचंद्र, डॉ. अभय सिंह, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. इमरान, डॉ. बिजेंद्र कुमार सिंह, डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. मोहम्मद तारिक अंसारी, डॉ. आशीष चंद्रन, डॉ. अमित कुमार (भौतिकी), डॉ. अमित कुमार (बी.एड.), डॉ. अजेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. डब्बे भारती, प्रो. राजेश कुमार, डॉ. वीरेंद्र कुमार (रसायन विज्ञान), डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव, डॉ. प्रवेश कुमार, श्री आलोक सिंह, सुश्री तनिषा श्रीवास्तव, सुश्री मरियम, श्री अंकुर अग्रवाल (उद्यमी), श्री देवेंद्र पी. सिंह (उद्यमी), सुश्री आरुषि वर्मा (उद्यमी), सुश्री श्रेया गुप्ता (उद्यमी), सुश्री रिकिशा कृपलानी (उद्यमी), तथा अन्य पंजीकृत प्रतिभागी।

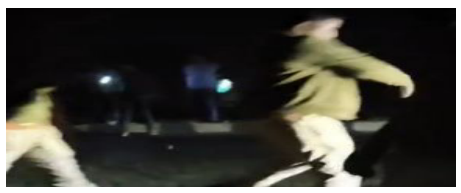

आभार- कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक प्रो. अरुण कुमार, आयोजन सचिव श्री गरुण कुमार सेठ तथा आयोजन समिति के सदस्य डॉ. राखी पी. सिंह एवं श्री मलखान श्री रमेश की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वाणिज्य विभाग,Feroze Gandhi College एवं वाणिज्य विभाग, Khwaja Moinuddin Chishti Language University की ओर से विकास आयुक्त (एमएसएमई), निर्माण भवन, नई दिल्ली तथा एमएसएमई फील्ड कार्यालय, आगरा के श्री रंजन यादव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। इस प्रकार एक सप्ताह तक चले इस कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI
ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604
Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337
We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises
INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.
INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of
FOR JOB CONTACT:- 9569430885
INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

मौसम अली बने चैंपियन, एक लाख इक्यावन हजार रुपये का जीता नगद पुरस्कार,आशापुर ने रचा राष्ट्रीय इतिहास राष्ट्रीय स्तर के विराट दंगल में महिला पुरुषों पहलवानों की गूंज

स्व. गजाधर सिंह की 75वीं जयंती पर उमड़ा जनसैलाब,खेल सम्मान और विरासत का संगम बना आशापुर का अखाड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) डीह/रायबरेली। गांव की मिट्टी जब परंपरा से जुड़ती है तो इतिहास रचती है। डीह ब्लॉक क्षेत्र में बुधवार को आशापुर गांव की धरती ने यही साबित किया, जब स्वर्गीय पूर्व विधायक गजाधर सिंह की 75वीं जयंती पर आयोजित विराट दंगल प्रतियोगिता ने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर ला खड़ा किया।

दांव-पेंच की गूंज, तालियों की गड़गड़ाहट और हजारों दर्शकों की उपस्थिति ने आयोजन को जनआस्था और खेल संस्कृति समारोह में बदल दिया। दिवंगत नेता की स्मृतियों को सजीव बनाए रखने का संकल्प उनके सुपुत्र अभिषेक विक्रम सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख उदय विक्रम सिंह और जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह ने साकार किया। तीनों भाइयों ने जयंती को केवल श्रद्धांजलि का कार्यक्रम न रहने देकर इसे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का स्वरूप दिया। दूर-दराज़ राज्यों से आए महिला, पुरुष पहलवानों की भागीदारी और उमड़े जनसैलाब ने आयोजन को जनउत्सव में परिवर्तित कर दिया। मुख्य अतिथि विधायक अशोक कुमार तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह का 51 किलो की माला और प्रतीक चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। मंच पर सम्मान की गरिमा और अखाड़े में खिलाड़ियों का संघर्ष दोनों दृश्य कार्यक्रम की भव्यता को नई ऊंचाई देते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. गजाधर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद मेरठ के जावेद पहलवान और काशीपुर के राहुल पहलवान का हांथ मिलवाकर मुकाबलों की शुरुआत हुई।

महिला हलवानों की सहभागिता ने दंगल को विशेष आकर्षण बना दिया, और दर्शकों की तालियों ने उनके आत्मविश्वास को नई ऊर्जा दी। उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों से आए ख्यातिप्राप्त पहलवानों ने अपने दमदार दांव-पेंच से अखाड़े को रोमांच से भर दिया। हरियाणा के राजेश और गाजीपुर के मनोज के बीच मुकाबले में मनोज विजयी रहे, जबकि पंजाब के खलील ने बादल झाबरा को शिकस्त दी। चीता, नकाबपोश, काली घटा, फैसल गनी, जितेंद्र, बाबा नागेंद्र दास, पारस थापा (नेपाल), कमांडो लखनऊ और मोनू आगरा जैसे महिला और पुरुषों में प्रख्यात पहलवानों ने भी शानदार पटकनी लगा प्रदर्शन कर दर्शकों को हर्षित किया। फाइनल मुकाबला सहारनपुर के टाइगर पहलवान और पंजाब के मौसम अली के बीच हुआ। कड़े संघर्ष और तकनीकी कौशल के प्रदर्शन के बाद मौसम अली ने निर्णायक पटखनी देकर चैंपियनशिप अपने नाम की। विजेता को एक लाख इक्यावन हजार रुपये का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी आशीष कुमार सिंह (आसू), रंजीत सिंह, जगत प्रताप सिंह बघेल, अवधेश बहादुर सिंह चौहान, थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र मोहन सरोज, फूलचंद्र अग्रहरि, राजकुमार सिंह, अखिलेश सिंह, डीह भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी, शिवाकांत बाजपेई, कमलेश और अजय कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आशापुर का यह विराट दंगल केवल प्रतियोगिता नहीं रहा, बल्कि जनआस्था, ग्रामीण खेल संस्कृति और राजनीतिक विरासत का सशक्त संगम बनकर उभरा है,जहां हर दांव संघर्ष का प्रतीक था और हर तालियों में सम्मान की गूंज।

पूर्व विधायक स्व. गजाधर सिंह के चित्र पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री सिंह ने अपने पुत्रों के साथ पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महिला पहलवानों की कुश्ती का हांथ मिलवाकर उन्होंने मुकाबलों की शुरुआत कराई। उन्होंने सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं को थाल भेंट कर सम्मानित किया गया। अखाड़े में पहलवानों के दमदार मुकाबले, मंच पर अतिथियों का भव्य स्वागत और फाइनल से पहले खिलाड़ियों के हांथ मिलाते ही हजारों तालियों की गड़गड़ाहट से परिसर गूंज उठा। अखाड़े से मंच तक दिखी भव्यता मिट्टी में सजे अखाड़े में जोशीले मुकाबले, मंच पर अतिथियों का भव्य अभिनंदन और फाइनल से पहले खिलाड़ियों का हांथ मिलाना हर दृश्य आयोजन की ऐतिहासिकता का साक्षी बना। बताते चलें कि इस प्रतियोगिता के आयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जिला सहकारी बैंक लिमिटेड (रायबरेली) अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह राजनीतिक अखाड़े के भी माहिर हैं। दंगल में चारों ओर उमड़ा जनसैलाब और गूंजते उद्घोष इस बात के प्रमाण बने कि राष्ट्रीय स्तर के इस विराट दंगल ने आशापुर को प्रदेश ही नहीं, देश की खेल पहचान में स्थापित कर दिया।

गाँवों के हर मकान की अद्वितीय आईडी है घरौनी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली आबादी के घरों का कोई नक्शा या नम्बर नहीं होता

है। जमीन के जिस भाग पर विभिन्न वर्गों के परिवार मकान बनाकर रहते हैं, उस क्षेत्र को राजस्व विभाग के नक्शे में आबादी क्षेत्र घोषित किया गया है। आबादी क्षेत्र में बहुत से परिवारों के घर होते है, किन्तु इस घर पर किसी के नाम से वह मकान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में स्वामित्व व कब्जों को लेकर गाँवों में पारिवारिक या पडोसी से विवाद मारपीट व मुकदमेबाजी भी होती है। ग्रामीण समाज में शान्ति, सौहार्द आपसी भाई चारा बनाये रखने और आवासों का स्वामित्व बनाये रखने के उद्देश्य से भारत सरकार की ष्स्वामित्व योजनाष् के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण, एवं अभिलेख संक्रिया विनियामली, 2020 प्रख्यापित की है। जिसके अन्तर्गत आवास स्वामी को घरौनी दी जाती है। राज्य सरकार की इस विनियमावली के अन्तर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में अवस्थित भूमि, भवन एवं सम्पत्तियों का सर्वेक्षण कराकर ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) तैयार कर सम्बन्धित गृह स्वामियों को उपलब्ध कराया जाता है। राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर ग्रामीण आबादी क्षेत्र के सर्वेक्षण का कार्य जिलाधिकारियों/जिला अभिलेख अधिकारियों द्वारा प्रसारित कर कराया जा रहा है। सर्वेक्षण प्रक्रिया में सर्वप्रथम ग्राम सभाओं की बैठक कर सभी ग्रामवासियों को इस विनियमावली की जानकारी दी जाती है। तत्पश्चात ग्राम के आबादी क्षेत्र की सभी निजी, सरकारी अर्ध सरकारी भूमि, भवन एवं सम्पत्तियों को चिन्हीकरण किया जाता है। चिन्हीकरण के पश्चात आबादी क्षेत्र को ड्रोन द्वारा सर्वेक्षण फोटो लिए जाते हैं, जिसके आधार पर आबादी क्षेत्र का मानचित्र तैयार किया गया है। मानचित्र के आधार पर आबादी भूखण्डों की नम्बरिंग कर सभी गृह स्वामियों एवं सरकारी सम्पत्तियों की सूची बनाकर ग्राम पंचायत की बैठक में प्रकाशित किया जाता है। घरौनियों हेतु सम्पत्तियों की सूची के प्रकाशन के उपरान्त उप जिलाधिकारी द्वारा आपत्तियों आमंत्रित कर उनका निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जाता है। उप जिलाधिकारी/सहायक अभिलेख अधिकारी के निस्तारण के विरुद्ध जिलाधिकारी/जिला अभिलेख के समक्ष आपत्ति दाखिल की जा सकती है। जिलाधिकारी/जिला अभिलेख अधिकारी द्वारा सम्बन्धित पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर आपत्ति का निस्तारण करते है। सभी त्रुटियों, समझौते एवं आपत्तियों के निस्तारण के पश्चात गृह स्वामीवार ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) एवं संशोधित मानचित्र तैयार किया जाता है। जिसकी पुष्टि सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा की जाती है। ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) तैयारी हो जाने के पश्चात जिलाधिकारी द्वारा ग्राम के आबादी सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया पूर्ण होने की अधिसूचना का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया जाता है। प्रदेश में नवीनतम ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग से ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर उनके स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कराने हेतु प्रदेश में कुल 1,10,344 ग्रामों को अधिसूचित किया गया है, जिनमें संचालित "स्वामित्व योजना" के अन्तर्गत प्रदेश में गैर आबाद आदि ग्रामों को छोड़कर कुल 90530 ग्रामों में वास्तविक रूप से ड्रोन सर्वेक्षण एवं घरौनी तैयार किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। दिसम्बर, 2025 तक समेकित रूप से सभी 90530 ग्रामों का ड्रोन सर्वेक्षण पूर्ण हो गया है। प्रदेश में अब तक 71344 ग्रामों में कुल 1,09,11,057 ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) तैयार/वितरित की जा चुकी है।

फोनरवा ने मुख्यमंत्री से आरडब्ल्यूए को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए दिया पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के

तीव्र गति से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों–विशेषकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ आदि–में रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाओं के संचालन एवं क्षेत्रीय विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आर डब्ल्यू ए न केवल स्वच्छता, सुरक्षा, पार्कों के रखरखाव, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, जल निकासी तथा सामुदायिक केंद्रों के संचालन में सहयोग करती हैं, बल्कि सामाजिक समरसता एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाने में सेतु का कार्य भी करती हैं। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि प्रदेश की आर डब्ल्यू ए संस्थाओं को सशक्त बनाने एवं शहरी विकास को नई गति प्रदान करने हेतु इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए आवश्यक नीति एवं वित्तीय प्रावधान करने की कृपा करें। महासचिव के के जैन ने बताया कि वर्तमान में अधिकांश आर डब्ल्यू ए सीमित संसाधनों एवं स्वैच्छिक सहयोग के आधार पर कार्य कर रही हैं।

आर्थिक संसाधनों के अभाव में कई आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण नहीं हो पाते, जिससे स्थानीय निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि दिल्ली सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी पंजीकृत एवं सक्रिय आर डब्ल्यू ए को पारदर्शी, उत्तरदायी एवं निर्धारित मानकों के अंतर्गत वार्षिक अथवा परियोजना-आधारित वित्तीय सहायता प्रदान की जाए, तो स्थानीय स्तर की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान संभव हो सकेगा। इस प्रकार की व्यवस्था से शासन एवं प्रशासन पर पड़ने वाला कार्यभार भी कम होगा, क्योंकि छोटी-छोटी स्थानीय समस्याओं का समाधान आर डब्ल्यू ए स्वयं कर सकेंगी। साथ ही, विकास कार्यों में स्थानीय सहभागिता बढ़ेगी, जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी होगा।

यदि फंड आवंटन के साथ ऑडिट, प्रगति रिपोर्ट तथा डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, तो पारदर्शिता और जवाबदेही भी बनी रहेगी। अतः निवेदन है कि प्रदेश सरकार इस दिशा में एक स्पष्ट नीति का निर्माण कर प्रत्येक नगर निकाय क्षेत्र में पंजीकृत आर डब्ल्यू ए को निर्धारित मानकों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय ले। यह कदम शहरी विकास की दिशा में एक अभिनव, दूरदर्शी एवं सहभागी पहल सिद्ध होगा। इससे नागरिकों में स्वामित्व की भावना विकसित होगी तथा 'जनभागीदारी से जनकल्याण' की अवधारणा को सुदृढ़ बल मिलेगा।

आलोक द्विवेदी (अध्यक्ष, नोएडा मीडिया क्लब) रहे मुख्य अतिथि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गाज़ियाबाद आईटीएस

कॉलेज के यूजी कैंपस के मास कम्युनिकेशन क्लब द्वारा 'न्यूज़ फ्लैश - 60 सेकंड्स चैलेंज' प्रतियोगिता का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आलोक द्विवेदी, अध्यक्ष नोएडा मीडिया क्लब एवं एडिटर-इन-चीफ टीवी27 उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की न्यूज़रूम शैली की रिपोर्टिंग क्षमता को निखारना था। प्रतिभागियों को 60 सेकंड के भीतर समाचार को स्पष्ट, प्रभावशाली और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करना था। इस दौरान त्वरित सोच, संरचित संवाद कौशल, वॉइस मॉड्यूलेशन और कैमरे के सामने प्रस्तुति कौशल का आकलन किया गया। आईटीएस समूह के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संदेश में कहा कि देश को निष्पक्ष, निर्भीक और ईमानदार पत्रकारों की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को सत्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ने के

लिए प्रेरित किया। यूजी कैंपस की प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) नैंसी शर्मा ने मुख्य अतिथि आलोक द्विवेदी का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव मिलता है। अपने संबोधन में आलोक द्विवेदी ने मीडिया की सामाजिक भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हर युग में संचार का महत्व रहा है और आज के समय में जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता और भी अधिक है। उन्होंने छात्रों को महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। प्रतियोगिता में बीसीए के सीताराम को प्रथम, बीबीए की उन्नति गुप्ता एवं अभय पुंडीर को द्वितीय तथा राशि (बीबीए) और सयोनि (बीसीए) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डीन डॉ. विदुषी सिंह, बीबीए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आदिल खान, संयोजक प्रोफेसर मोनिका शर्मा, प्रोफेसर रमा रानी मिश्रा, डॉ. मनोज कुमार सहित अन्य संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

रहम फाउंडेशन ने टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली, समयबद्ध उपचार का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी

गौतमबुद्धनगर डॉ नरेंद्र कुमार के निर्देशों के क्रम में आज जनपद में रहम फाउंडेशन गाजियाबाद द्वारा टीबी के मरीजों को पोषण पोटली वितरण समारोह का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख, नोएडा में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रहम फाउंडेशन गाजियाबाद से डॉ धीरज भार्गव उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आर पी सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ सचीन्द्र मिश्रा, अम्बुज पांडेय डीपीसी, रविन्द्र राठी, शिल्पा अरोड़ा, सत्यार्थ राय एवं देवेन्द्र सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लगभग 50 टीबी मरीजों को पोषण पोटली का वितरण किया गया। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आर पी सिंह द्वारा उपस्थित मरीजों को टीबी से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि सभी मरीज समय से दवा का सेवन करें तथा निर्धारित अवधि तक पूरा उपचार अवश्य लें, जिससे रोग का पूर्णतः उपचार संभव हो सके।

22 फरवरी को लगेगा मेगा/वृहद विधिक सेवा शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय अध्यक्ष, जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जनपद स्तर पर 22 फरवरी 2026 आयोजित मेगा/वृहद सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा/वृहद सेवा शिविर के सम्बन्ध में जनजागरुकता, लाभार्थियों के चिन्हीकरण एवं प्रचार-प्रसार के सम्बन्ध में तहसील सदर के अन्तर्गत विकास खण्ड हरचन्दपुर के सभागार में लघु विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरुकता कार्यक्रम में अमोद कंठ, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपस्थित लोगो को बताया गया कि 22 फरवरी 2026 को मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया राजकीय इण्टर कालेज मैदान रायबरेली में किया जा रहा है, जिसमें निर्बल वर्ग, दिव्यांगों, बच्चों, स्त्रियों, निर्धन वर्ग, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रमिक पेंशन योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना समेत किसानों से जुड़ी योजनाओं, दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं के अलावा बाकी भी सभी विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे। इस लघु जागरुकता एवं साक्षरता शिविर में खण्ड विकास अधिकारी हरचन्दपुर डा0 अंजू रानी वर्मा के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, कन्या सुमगंला योजना के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।इस जागरुकता कार्यक्रम में एल0ए0डी0सी0 के चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल राजकुमार सिंह के द्वारा जनपद में स्थापित लीगल एड डिफेन्स काउन्सिंल के कार्यों के सम्बन्ध व नालसा हेल्पलाइन नं0 15100 के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस लघु जागरुकता कार्यक्रम मे पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव, नरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, दुशेन्द्र कुमार, राजेश व मनोज कुमार प्रजापति उपस्थित रहे।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर कार्यवाई करे सरकार :-श्याम सिंह भाटा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव

श्याम सिंह भाटी ने सरकार से इंडिया AI इम्पैक्ट सम्मिट एक्सपो में चीन के रोबोट को अपना प्रोजेक्ट बताने वाली गलगोटिया यूनिवर्सिटी पर कठोर कानूनी कारवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी की इस ओछी हरकत से पूरे देश को शर्मसार होना पड़ा है। गलगोटिया यूनिवर्सिटी अपने निजी हित के लिए भारतीय समिट में चीन के रोबोट्स को प्रमोट कर देश की छवि को ऐसा नुकसान पहुंचाया है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी पूरी तरह से शिक्षा माफिया का अड्डा है, यूनिवर्सिटी के मालिक को छात्रों हितों की चिंता नहीं है वह तो यूनिवर्सिटी के माध्यम से करोड़ों रुपए की कमाई करने में लगे हुए है। उन्होंने सरकार से इस यूनिवर्सिटी की मान्यता तत्काल रद्द करने की मांग की।

मैहर मां शारदा मंदिर क्षेत्र में पुलिस थाने की स्थापना होगी- श्रीकांत चतुर्वेदी विधानसभा में मुद्दा उठाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जिले में मां शारदा के पावन धाम में दर्शनार्थियों के सुनियोजित प्रबंधन एवं सुचारू सुरक्षा

व्यवस्था के लिए वर्तमान पुलिस चौकी का उन्नयन पुलिस थाने में होगा। इस जनोपयोगी विषय को विधानसभा में क्षेत्रीय विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी ने तारांकित प्रश्न के जरिए प्रमुखता से उठाया। इस पर विधानसभा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की ओर से राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि मां शारदा देवी मंदिर मैहर में स्थापित पुलिस चौकी का थाने में उन्नयन का प्रस्ताव परीक्षण प्रक्रिया में है आने वाले समय में इस पुलिस चौकी का उन्नयन थाने में किया जाएगा।विधायक श्री श्रीकांत चतुर्वेदी मैं बताया कि मां शारदा देवी मंदिर में प्रति दिन करीब 40 से 50 हजार श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। श्रद्धालुओं की सेवा कर इनकी शांतिपूर्ण ढंग से सुविधा प्रदान करने के साथ उनकी सुरक्षा व्यवस्था करना वर्तमान पुलिस चौकी का बल पर्याप्त नहीं है। पुलिस बल को बढ़ाने के लिए पुलिस चौकी का उन्नयन पुलिस थाने में किया जाना बहुत जरूरी है । इस विषय को मेरे द्वारा विधानसभा सदन में प्रमुखता से उठाया गया प्रदेश सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए समस्या के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश गृह विभाग को दिए हैं। उम्मीद है कि शीघ्र ही पुलिस चौकी अपग्रेड होकर पुलिस थाने में परिवर्तित हो जाएगी। विधायक श्री चतुर्वेदी ने आगे कहा कि मैहर में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सेवा करना मैहर वासी अपना सौभाग्य मानते हैं और इस दिशा में हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं।

दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा ने पूरा किये 115 वर्ष भारत में प्रयाग कुंभ के दौरान हुई थी आरंभ-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयाग कुंभ मेले के दौरान 18 फरवरी 1911 को शुरू हुई थी दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा,

6,500 पत्रों को लेकर उड़ा था विमान, डाक सेवाओं ने पूरी दुनिया में एक लम्बा सफर तय किया है। भारत को यह सौभाग्य प्राप्त है कि दुनिया की पहली हवाई डाक सेवा यहीं से आरम्भ हुई। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि यह ऐतिहासिक घटना 115 वर्ष पूर्व 18 फरवरी, 1911 को प्रयागराज में हुई थी। संयोग से उस साल कुंभ का मेला भी लगा था। उस दिन दिन फ्रेंच पायलट मोनसियर हेनरी पिक्वेट ने एक नया इतिहास रचा था। वे अपने विमान में प्रयागराज से नैनी के लिए 6500 पत्रों को अपने साथ लेकर उड़े। विमान था हैवीलैंड एयरक्राफ्ट और इसने दुनिया की पहली सरकारी डाक ढोने का एक नया दौर शुरू किया। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के अनुसार प्रयागराज में उस दिन डाक की उड़ान देखने के लिए लगभग एक लाख लोग इकट्ठे हुए थे जब एक विशेष विमान ने शाम को साढ़े पांच बजे यमुना नदी के किनारों से उड़ान भरी और वह नदी को पार करता हुआ 15 किलोमीटर का सफर तय कर नैनी जंक्शन के नजदीक उतरा जो प्रयागराज के बाहरी इलाके में सेंट्रल जेल के नजदीक था। आयोजन स्थल एक कृषि एवं व्यापार मेला था जो नदी के किनारे लगा था और उसका नाम 'यूपी एक्जीबिशन' था। इस प्रदर्शनी में दो उड़ान मशीनों का प्रदर्शन किया गया था।

विमान का आयात कुछ ब्रिटिश अधिकारियों ने किया था। इसके कलपुर्जे अलग अलग थे जिन्हें आम लोगों की मौजूदगी में प्रदर्शनी स्थल पर जोड़ा गया। प्रयागराज से नैनी जंक्शन तक का हवाई सफ़र आज से 115 साल पहले मात्र 13 मिनट में पूरा हुआ था। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि हालांकि यह उड़ान महज छह मील की थी, पर इस घटना को लेकर प्रयागराज में ऐतिहासिक उत्सव सा वातावरण था। ब्रिटिश एवं कालोनियल एयरोप्लेन कंपनी ने जनवरी 1911 में प्रदर्शन के लिए अपना एक विमान भारत भेजा था जो संयोग से तब प्रयागराज आया जब कुम्भ का मेला भी चल रहा था। वह ऐसा दौर था जब जहाज देखना तो दूर लोगों ने उसके बारे में ठीक से सुना भी बहुत कम था। ऐसे में इस ऐतिहासिक मौके पर अपार भीड होना स्वाभाविक ही था। इस यात्रा में हेनरी ने इतिहास तो रचा ही पहली बार आसमान से दुनिया के सबसे बडे प्रयाग कुंभ का दर्शन भी किया। भारतीय डाक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी श्री कृष्ण कुमार यादव के अनुसार कर्नल वाई विंधाम ने पहली बार हवाई मार्ग से कुछ मेल बैग भेजने के लिए डाक अधिकारियों से संपर्क किया जिस पर उस समय के डाक प्रमुख ने अपनी सहर्ष स्वीकृति दे दी।

मेल बैग पर 'पहली हवाई डाक' और 'उत्तर प्रदेश प्रदर्शनी, इलाहाबाद' लिखा था। इस पर एक विमान का भी चित्र प्रकाशित किया गया था। इस पर पारंपरिक काली स्याही की जगह मैजेंटा स्याही का उपयोग किया गया था। आयोजक इसके वजन को लेकर बहुत चिंतित थे, जो आसानी से विमान में ले जाया जा सके। प्रत्येक पत्र के वजन को लेकर भी प्रतिबंध लगाया गया था और सावधानीपूर्वक की गई गणना के बाद सिर्फ 6,500 पत्रों को ले जाने की अनुमति दी गई थी। विमान को अपने गंतव्य तक पहुंचने में 13 मिनट का समय लगा।

भारत में डाक सेवाओं पर तमाम लेख और एक पुस्तक 'इंडिया पोस्ट : 150 ग्लोरियस ईयर्ज़' लिख चुके श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस पहली हवाई डाक सेवा का विशेष शुल्क छह आना रखा गया था और इससे होने वाली आय को आक्सफोर्ड एंड कैंब्रिज हॉस्टल,

इलाहाबाद को दान में दिया गया। इस सेवा के लिए पहले से पत्रों के लिए खास व्यवस्था बनाई गई थी। 18 फरवरी को दोपहर तक इसके लिए पत्रों की बुकिंग की गई। पत्रों की बुकिंग के लिए ऑक्सफोर्ड कैंब्रिज हॉस्टल में ऐसी भीड लगी थी कि उसकी हालत मिनी जी.पी.ओ सरीखी हो गई थी। डाक विभाग ने यहाँ तीन-चार कर्मचारी भी तैनात किए थे। चंद रोज में हॉस्टल में हवाई सेवा के लिए 3000 पत्र पहुँच गए। एक पत्र में तो 25 रूपये का डाक टिकट लगा था। पत्र भेजने वालों में प्रयागराज की कई नामी गिरामी हस्तियाँ तो थी हीं, राजा महाराजे और राजकुमार भी थे।

आज दुनिया भर में संचार के तमाम माध्यम हैं, परंतु पत्रों की जीवंतता का अपना अलग स्थान है। ये पत्र अपने समय का जीवंत दस्तावेज हैं। इन पत्रों में से न जाने कितने तो साहित्य के पन्नों में ढल गए। आज हवाई जहाज के माध्यम से देश-दुनिया में डाक पहुँच रही हैं, परंतु इसका इतिहास कुंभ और प्रयागराज से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। इन पत्रों ने भूमंडलीकरण की अवधारणा को उस दौर में परिभाषित किया, जब विदेश जाना भी एक दुःस्वप्न था।

हवाई डाक सेवा ने न सिर्फ पत्रों को पंख लगा दिए, बल्कि लोगों के सपनों को भी उड़ान दी। देश-विदेश के बीच हुए तमाम ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ी बातों और पहलुओं को एक-जगह से दूसरी जगह ले जाने में हवाई डाक सेवा का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।

पूर्वांचल में अग्निवीर रैली के लिए गाजीपुर के युवाओं में दिख रहा उत्साह

सोनभद्र। अग्निवीर रैली के लिए रजिस्ट्रेशन 13 फरवरी से

प्रारंभ हो गया है। पहले सात दिनों में रजिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र के युवा फार्म भरने में पीछे हैं, जबकि गाजीपुर के युवा इस मामले में सबसे आगे हैं। यह भी देखा गया है कि जनरल ड्यूटी के लिए आवेदन अधिक संख्या में आ रहे हैं। इस बार दो पदों पर रजिस्ट्रेशन करने का विकल्प दिए जाने से युवाओं में रजिस्ट्रेशन कराने की रुचि बढ़ी है। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि एक अप्रैल निर्धारित की गई है। जानकारी के अनुसार, 12वीं विज्ञान वर्ग से पास, 10वीं विज्ञान वर्ग से पास और आईटीआई की डिग्रीधारी युवा तकनीक पद और जनरल ड्यूटी ट्रेडमैन पद के लिए फार्म भर सकते हैं। वहीं, क्लर्क पद के लिए 12वीं किसी भी वर्ग से पास युवा आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते किसी विषय में 45 प्रतिशत से कम अंक न हो और कुल मिलाकर 60 प्रतिशत अंक से पास हुए हों। अभ्यर्थियों के लिए इंग्लिश, गणित और एकाउंटेंसी विषय आवश्यक हैं।अभ्यर्थियों की सहायता के लिए सेना भर्ती कार्यालय सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक खुला रहेगा। यहां मौजूद विशेषज्ञ उन अभ्यर्थियों की मदद करेंगे, जो फार्म भरने में असहज महसूस कर रहे हैं। यह सुविधा सेना भर्ती कार्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी 12 जिलों के अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध है। गाजीपुर के युवाओं में अग्निवीर रैली को लेकर जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है, जबकि सोनभद्र के युवा अपेक्षाकृत कम सक्रिय हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि गाजीपुर के युवा सेना में शामिल होने के लिए अधिक तत्पर हैं।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के दौरान, युवाओं को सही जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए सेना भर्ती कार्यालय में विशेषज्ञों की टीम तैनात की गई है। अग्निवीर रैली के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ने युवाओं में एक नई उम्मीद जगाई है। यह अवसर न केवल उनके लिए एक करियर बनाने का मौका है, बल्कि देश की सेवा करने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। सभी युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अब डेढ़ माह तक आवेदन का मौका है तो इसके बाद युवाओं की शेष प्रक्रिया शुरू होगी।

ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचला

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के राबर्ट्सगंज कोतवाली

क्षेत्र के शक्तिनगर-वाराणसी मार्ग पर अज्ञात वाहन ने ड्यूटी पर तैनात एक होमगार्ड को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई. हैरानी की बात यह रही कि लोढ़ी चौकी के ठीक सामने शव घंटों पड़ा रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया.

शक्तिनगर में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली,वाहन चालकों को किया जागरूक

सोनभद्र। शक्तिनगर स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, एनटीपीसी परिसर

में 20 फरवरी 2026 को सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई द्वितीय के द्वितीय एक दिवसीय शिविर के तहत निकाली गई। रैली में शामिल छात्र-छात्राओं ने परिसर से एमजीआर बस्ती मार्ग तक मार्च किया। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का उपयोग करने के लिए जागरूक किया, ताकि वे सुरक्षित यात्रा कर सकें। स्वयंसेवकों ने पोस्टर और नारों के जरिए जन जागरूकता फैलाई। उन्होंने 'आपका भविष्य आपके हाथ, हेलमेट सदा रखें साथ' और 'यातायात के नियमों की बरतो शक्ति, तभी मिलेगी दुर्घटनाओं से मुक्ति' जैसे नारे लगाए। इन नारों के माध्यम से लोगों का ध्यान सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की ओर आकर्षित किया गया। परिसर प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी अजय लक्ष्मी ने किया। डॉ. मनोज कुमार गौतम, डॉ. रागिनी श्रीवास्तव, डॉ. आनंद प्रिया और श्री प्रशांत कुमार विश्वकर्मा ने इसमें विशेष सहयोग दिया। स्वयंसेवकों में सरस्वती, उमा, रेनू, वर्षा, खुशबू, काजल, सूफी, किशोरी और विजय सहित कई छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राजेश यादव सोनभद्र बार एसो. के मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गए

राजकुमार पटेल को सहायक बनाया,एल्डर कमेटी ने सुरेश कुशवाहा

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के सत्र

2025-2026 के चुनाव के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने यह घोषणा की। उनके सहयोग के लिए सुरेश सिंह कुशवाहा और राजकुमार सिंह पटेल को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया गया है। श्रीनाथ सिंह ने बताया कि चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना है। इसमें मतदान, मतगणना और परिणामों की घोषणा सहित पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना शामिल है। मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश कुमार यादव ने चुनाव की समय सारणी घोषित कर दी है। इसके अनुसार, नामांकन प्रपत्रों का वितरण और जमा 23 फरवरी 2026 से 24 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। नामांकन सूची का प्रकाशन, आपत्तियां दर्ज करने, नामांकन पत्रों की जांच और आपत्तियों का निस्तारण 25 फरवरी 2026 को होगा। वैध नामांकन सूची का प्रकाशन, नामांकन वापसी और अंतिम सूची का प्रकाशन 26 फरवरी 2026 को होगा। निशुल्क मतदाता सूची का वितरण 27 फरवरी को किया जाएगा।

टेंडर मतदान 7 मार्च 2026 को होगा, जबकि मुख्य मतदान, मतगणना और परिणामों की घोषणा 9 मार्च 2026 को होगी। इसी दिन एल्डर कमेटी द्वारा शपथ ग्रहण भी कराया जाएगा। इस अवसर पर एल्डर कमेटी के सदस्य मुश्ताक अली एडवोकेट, निर्मलेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, रमेश चंद्र सिंह एडवोकेट और छोटे लाल गौतम एडवोकेट उपस्थित रहे।

जीजा,उसके मित्र पर छेड़छाड़ और धमकी का आरोप,मुकदमा दर्ज

सोनभद्र। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक

घटना सामने आई है। यहां एक युवती ने अपने सगे जीजा और उनके एक मित्र पर छेड़छाड़, शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस की ओर से कार्रवाई न किए जाने पर पीड़िता ने अब न्यायालय की शरण ली है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। न्यायालय में दाखिल प्रार्थना पत्र के अनुसार पीड़िता ने बताया कि उसके सगे जीजा विशाल और उनका मित्र राहुल लंबे समय से उस पर बुरी नजर रखे हुए थे। पीड़िता का आरोप है कि 15 अगस्त को उसके जीजा ने अपने मित्र के साथ मिलकर उसके घर पर अश्लील हरकतें कीं और जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। पीड़िता ने जब इसकी शिकायत अपने माता-पिता से की तो उन्होंने लोक-लाज के डर से उसे चुप रहने की सलाह दी। इस चुप्पी का फायदा उठाकर आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और वे लगातार युवती को प्रताड़ित करने लगे।

आरोपितों की हरकतों से तंग आकर पीड़िता 24 अगस्त को अपने मौसा के घर बीजपुर चली गई, लेकिन आरोपियों ने वहा भी उसका पीछा नहीं छोड़ा। एक अक्टूबर शाम करीब पांच बजे आरोपित विशाल और राहुल बीजपुर पहुंच गए। उन्होंने युवती को दशहरे के बहाने साथ ले जाने की कोशिश की। युवती के इनकार करने पर आरोपियों ने मौसा के वृद्ध माता-पिता के सामने ही युवती के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ सरेआम छेड़छाड़ की।वहीं जाते-जाते आरोपियों ने युवती को अगवा करने और जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़िता का आरोप है कि उसने इस घटना की सूचना थाना बीजपुर में दी थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके बाद उसने 11 अक्टूबर को एसपी को रजिस्टर्ड डाक के जरिए पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई फिर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। अब न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

राष्ट्रीय लोक दल ने सोनभद्र में महिला कार्यकारिणी बनाई,पार्टी मजबूत करने का लक्ष्य,महिलाओं को मिली नई जिम्मेदारी

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने अपनी महिला कार्यकारिणी का गठन किया है।

पार्टी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में दर्जनों महिलाओं ने सदस्यता ग्रहण की, जिसके बाद उन्हें विभिन्न पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला महिला कार्यकारिणी में पूजा यादव और अनीता देवी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। चिंता मौर्य और गीता मौर्य को महिला प्रकोष्ठ का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, जबकि पूनम शर्मा और चंद्रकला को महासचिव की जिम्मेदारी मिली है। ऊषा देवी, सुनीता देवी और रिंकी देवी को सचिव पद पर नियुक्त किया गया है। ब्लॉक स्तर पर भी जिम्मेदारियां दी गई हैं। मनसा देवी को कर्मा ब्लॉक अध्यक्ष और अल्पना पटेल को घोरावल ब्लॉक अध्यक्ष बनाया गया है। इन नियुक्तियों के बाद महिलाओं में उत्साह देखा गया। रालोद के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी में महिलाओं की भूमिका अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पार्टी की महिला कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आदिवासी और पिछड़े समाज के लोगों को जानकारी देगी और उन्हें लाभान्वित कराने का कार्य करेंगी।त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर त्रिपाठी ने घोषणा की कि इस बार जनपद में सबसे ज्यादा महिलाओं को चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रालोद अधिक से अधिक सीटों पर कब्जा कर पार्टी को जनपद में मजबूती प्रदान करेगा। महिला प्रकोष्ठ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा मिठाई खिलाकर बधाई दी गई।

पंचायत उत्सव भवन के निर्माण को लेकर प्रक्रिया तेज, यूपी के 71 विधानसभा क्षेत्रों में होगा निर्माण

सोनभद्र। चोपन ब्लॉक के बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत

में उत्सव भवन के निर्माण को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। करीब तीन हजार वर्ग फीट जमीन में एक करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से होने वाले निर्माण के लिए प्रथम किश्त के रूप में शासन से 70 लाख रुपये आवंटित हो चुका है। उसे पंचायत के खाते में भेजने की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर चल रही है। निर्माण के लिए पूर्व में ही टेंडर की प्रक्रिया की जा चुकी है। अब बजट मिलते ही निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

निर्धारित स्थल पर मैरिज लान, स्टेज, मंडप, हाल और रैंप आदि का निर्माण कराया जाएगा। यहां कमरों का भी निर्माण होगा ताकि लोगों को ठहरने का मुकम्मल इंतजाम मिल सके। यूपी सरकार ने प्रदेश के 71 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक पंचायत उत्सव भवन के निर्माण का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रत्येक जनपद में एक-एक उत्सव भवन का लक्ष्य मिला था।

इसके तहत ओबरा विधानसभा के बिल्ली मारकुंडी में भवन निर्माण होगा। बिल्ली मारकुंडी में पंचायत उत्सव भवन के निर्माण के लिए जिला पंचायत को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। जिला पंचायत तीन हजार वर्ग फीट जमीन में गेस्ट हाउस की तर्ज पर उत्सव लान का निर्माण करायेगा। इसके तैयार होने पर एक निर्धारित दर पर लोगों को विवाह व अन्य कार्यों के लिए लान दिया जाएगा। इसकी देखरेख संबंधित ग्राम पंचायत करेगी। लान बुकिंग से ग्राम पंचायत की आय बढ़ेगी।

उप प्रभागीय वनाधिकारी ने जैविक खेती की ली जानकारी,पौधरोपण तैयारियों का भी किया निरीक्षण

सोनभद्र। उप प्रभागीय वनाधिकारी अखिलेश सिंह पटेल और रेंजर जबर सिंह यादव ने शुक्रवार को म्योरपुर ब्लॉक के गोविंदपुर स्थित बनवासी सेवा आश्रम परिसर में जैविक खेती की जानकारी ली।

इसके बाद उन्होंने कठौंधी वन क्षेत्र में पौधरोपण की तैयारियों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आश्रम परिसर में विशेषज्ञ शिव शरण सिंह से जैविक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रिया, रासायनिक और जैविक खाद से उत्पादन में अंतर तथा इनके पर्यावरणीय प्रभावों को समझा। विशेषज्ञ शिव शरण सिंह ने बताया कि वर्तमान में जैविक खेती की आवश्यकता बढ़ती जा रही है।

यह न केवल पर्यावरण का संरक्षण करती है, बल्कि मिट्टी की जैव विविधता को भी सुरक्षित रखती है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता में कमी और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर भी प्रकाश डाला। अधिकारियों ने आश्रम के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से वन संरक्षण में सहयोग की अपील भी की।

इसके उपरांत, अधिकारियों ने कठौंधी वन क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने पौधरोपण के लिए खोदे जा रहे गड्ढों का निरीक्षण किया और वन कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निर्देशों में कहा गया कि गड्ढे खोदते समय प्राकृतिक रूप से उगे पौधों को कोई नुकसान न पहुंचे। साथ ही, पौधरोपण योजना में स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएं, ताकि वे लोगों के उपयोग में आ सकें और जंगल को घना बनाने में भी सहायक हों। निरीक्षण के दौरान गोविंद और चंद्रभान सहित अन्य वन कर्मी उपस्थित रहे।

विनोद जाखड़ बने एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष,कार्यकर्ताओं ने बढ़ौली चौराहे पर मिठाई बांटी

सोनभद्र। राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के नए

राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में विनोद जाखड़ की नियुक्ति पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। कार्यकर्ताओं ने बढ़ौली चौराहे पर मिष्ठान वितरण कर खुशी मनाई और 'राहुल गांधी जिंदाबाद, विनोद जाखड़ जिंदाबाद' के नारे लगाए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 20 फरवरी को विनोद जाखड़ को राष्ट्रीय छात्र संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया। जाखड़ इससे पहले राजस्थान प्रदेश एनएसयूआई के अध्यक्ष और राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं। जिलाध्यक्ष अंशु गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर शीर्ष स्तर पर चर्चाएं चल रही थीं। विभिन्न प्रदेशों के कई नेताओं के साक्षात्कार भी हुए, जिसके बाद राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ को यह राष्ट्रीय जिम्मेदारी सौंपी गई। गुप्ता ने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें वरुण चौधरी के साथ काम करने का अवसर मिला और अब नए अध्यक्ष के निर्देशन में भी कंधे से कंधा मिलाकर छात्र राजनीति से जुड़े रहे हैं और कॉलेज-विश्वविद्यालय की समस्याओं से भलीभांति परिचित हैं। उनके नेतृत्व में पूरे देश में एनएसयूआई और मजबूत होगी तथा अधिक छात्र संगठन से जुड़ेंगे। उन्होंने उत्तर प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराए जाने की मांग दोहराई। गुप्ता ने कहा कि छात्रों को उनका लोकतांत्रिक अधिकार मिलना चाहिए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

स्प्राउट्स खाने से हो सकता है नुकसानः ये 7 बातें ध्यान रखें, डाइटीशियन से जानें किन लोगों को नहीं खाना चाहिए

नयी दिल्ली। जो लोग अपनी फिटनेस का खास ध्यान रखते हैं, उनके लिए स्प्राउट्स (अंकुरित) एक बेहतरीन सुपरफूड है। यह प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को पर्याप्त एनर्जी मिलती है, बल्कि इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। यही वजह है कि हेल्थ कॉन्शियस लोग इसे डाइट में शामिल करते हैं। हालांकि डाइट में शामिल करते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कई बार थोड़ी सी भी लापरवाही सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए कब नुकसानदायक हो सकते हैं? किन लोगों को स्प्राउट्स खाने से परहेज करना चाहिए?

एक्सपर्ट- अनु अग्रवाल, डाइटीशियन और 'वनडाइटटुडे' की फाउंडर बताएंगी सवाल जवाब के माध्यम से- पहला सवाल- स्प्राउट्स क्या है? जवाब- स्प्राउट्स वे बीज होते हैं, जो कुछ घंटों या दिनों तक पानी में भिगोने और उचित नमी और तापमान में रखने के बाद अंकुरित होने लगते हैं। ये पोषण से भरपूर होते हैं और इन्हें सलाद, सैंडविच, सब्जियों, या अन्य खाने की चीजों में इस्तेमाल किया जाता है। सवाल- कौन-कौन से बीज और दालें स्प्राउट किए जा सकते हैं? जवाब- मूंग दाल, मसूर दाल, चना (काला और सफेद), मेथी दाना, गेहूं, रागी, सोयाबीन, राजमा, मटर या लोबिया के बीज और सूरजमुखी के बीज स्प्राउट किए जा सकते हैं। ये सभी पोषण से भरपूर होते हैं और पाचन के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। सवाल- कच्चे स्प्राउट्स को खाने से क्या जोखिम हो सकता है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि अगर स्प्राउट्स को अच्छी तरह से धोया या सही तरीके से स्टोर नहीं किया जाए तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। स्प्राउट्स के अंकुरण के लिए गर्म और नम वातावरण चाहिए होता है, जो साल्मोनेला, ई. कोलाई और लिस्टीरिया जैसे हानिकारक बैक्टीरिया के पनपने के लिए आदर्श स्थिति बनाता है। सवाल- स्प्राउट्स हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक कैसे हो सकते हैं? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल बताती हैं कि स्प्राउट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन इन्हें सुरक्षित बनाने के लिए कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए। सही तरीके से धोना, पकाना और स्टोर करना साल्मोनेला या ई. कोलाई जैसे बैक्टीरिया से बचा सकता है।सवाल- स्प्राउट्स खाने का सबसे सही समय कौन सा है? जवाब- डाइटीशियन अनु अग्रवाल के अनुसार, स्प्राउट्स खाने का सबसे अच्छा समय सुबह नाश्ते में या दोपहर के खाने से पहले है। इस समय शरीर इन्हें आसानी से पचा लेता है और इनके पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाता है। वहीं रात में कच्चे स्प्राउट्स खाने से बचना चाहिए क्योंकि इनमें मौजूद अधिक फाइबर और एंजाइम धीमे पाचन के दौरान गैस, पेट फूलना या अपच जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। सवाल- क्या स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स वजन घटाने में मददगार हो सकते हैं। इनमें कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो लंबे समय तक पेट भरा महसूस कराता है और ओवरईटिंग से बचाता है। साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने में सहायक होता है। हालांकि बेहतर परिणाम के लिए इन्हें संतुलित मात्रा में और संतुलित डाइट के साथ ही शामिल करना चाहिए।सवाल- क्या स्प्राउट्स को पकाकर खाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं? जवाब- हां, स्प्राउट्स को ज्यादा पकाने पर विटामिन सी और बी जैसे कुछ हीट-सेंसिटिव पोषक तत्व कम हो सकते हैं। हालांकि हल्का स्टीम करना या थोड़ा उबालना बेहतर विकल्प है। इससे बैक्टीरिया का खतरा घटता है और अधिकांश पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं। सवाल- क्या पैकेज्ड या मार्केट से खरीदे स्प्राउट्स सुरक्षित होते हैं? जवाब- जरूरी नहीं कि पैकेज्ड या बाजार से खरीदे गए स्प्राउट्स हमेशा सुरक्षित हों। अगर उनकी स्टोरेज या हैंडलिंग सही तरीके से न हुई हो तो उनमें बैक्टीरिया संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसलिए खरीदते समय एक्सपायरी डेट जांचें, पैकिंग में बदबू, नमी या फफूंदी के लक्षण न हों और घर लाने के बाद इन्हें अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। सवाल- स्प्राउट्स को खराब होने से कैसे बचाएं? जवाब- स्प्राउट्स को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर करें और 2-3 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लें। नमी और गर्मी में ये जल्दी खराब हो सकते हैं। हल्का उबालने या स्टीम करने से इनकी शेल्फ लाइफ थोड़ी बढ़ सकती है। अगर इनमें बदबू, चिपचिपापन या रंग बदलने के संकेत दिखें तो इन्हें तुरंत फेंक दें। सवाल- बच्चों को स्प्राउट्स कब और कैसे देने चाहिए? जवाब- छोटे बच्चों (1-5 वर्ष) को कच्चे स्प्राउट्स देने से बचना चाहिए, क्योंकि उनका पाचन और इम्यून सिस्टम पूरी तरह विकसित नहीं होता है। 6 वर्ष से ऊपर के बच्चों को स्प्राउट्स धीरे-धीरे और डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह से शुरू कर सकते हैं।

टी-20-वर्ल्डकप

सुपर-8 टीमों के खिलाफ भारत का टी-20 प्रदर्शनः वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप में भारी पड़ा, साउथ अफ्रीका को पिछला फाइनल हराया

नयी दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के बाद 8 टीमें सेकेंड राउंड में पहुंच चुकी हैं। यहां 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया। टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के ग्रुप में रखा है। विंडीज को छोड़कर बाकी दोनों टीमों के खिलाफ भारत का वर्ल्ड कप रिकॉर्ड अच्छा है। सुपर-8 स्टेज में टीम इंडिया का पहला मैच 22 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होना है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले टी-20 वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमों ने 8 टी-20 खेले, 6 में भारत और महज 2 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में दोनों टीमें 7 बार भिड़ीं, 5 में भारत और 2 में ही साउथ अफ्रीका जीत सका। टीम इंडिया ने 2014 के सेमीफाइनल और 2024 के फाइनल में प्रोटियाज टीम को ही हराया था। ओवरऑल टी-20 में भी भारत ने साउथ अफ्रीका को 60फीसदी मैच हराए हैं।टीम इंडिया का दूसरा मैच 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से ही शुरू होगा। 29 जून 2024 को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे पर ही गई। जहां होम टीम ने पहले ही मुकाबले में भारत को 102 रन पर समेटकर 13 रन से मुकाबला जीत लिया। हालांकि, सीरीज 4-1 से भारत के नाम रही। टी-20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें इकलौती बार 2022 में भिड़ी थीं। मेलबर्न में पहले बैटिंग करते हुए भारत ने सूर्यकुमार यादव और केएल राहुल की फिफ्टी के सहारे 186 रन बना दिए। जवाब में जिम्बाब्वे 115 रन ही बना सका। ओवरऑल दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 हुए, महज 3 में जिम्बाब्वे को जीत मिल सकी। टीम इंडिया का आखिरी सुपर-8 मैच 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में यह मुकाबला भी शाम 7 बजे से खेला जाएगा। पिछले वर्ल्ड कप के बाद से दोनों टीमें एक बार भी नहीं भिड़ीं, दोनों टीमें 2024 के आईसीसी टूर्नामेंट में भी आमने-सामने नहीं हो सकी थीं। भारत ने वेस्टइंडीज को ओवरऑल 63फीसदी टी-20 मैच हराए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज का पलड़ा ही भारी रहा। आईसीसी टूर्नामेंट में दोनों टीमें 2009 में पहली बार भिड़ी थीं,

9 साल की बेटी अलग कमरे में नहीं सोती,डरती और रोती है, उसे इंडीपेंडेंट कैसे बनाएं, हमसे अलग सोने की आदत कैसे डालें

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर से सवाल जवाब के माध्यम से. सवाल- मैं इंदौर का

रहने वाला हूं। मेरी 9 साल की बेटी है। वह रात में अकेले सोने से डरती है। वह अक्सर कहती है कि उसे अंधेरे से डर लगता है और वह सपना देखती है कि हम कहीं चले गए हैं। हमारा मानना है कि अब वह बड़ी हो गई है और उसे अलग कमरे में सोने की आदत डालनी चाहिए ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके। हम उसकी भलाई चाहते हैं। लेकिन हमारे लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो गया है कि आखिर किस उम्र में बच्चे को अकेले सोने के लिए तैयार करना चाहिए। हमारा डर यह भी है कि कहीं उसे अकेलापन न महसूस हो या यह से डरती है तो इसका मतलब है कि वह बचपन से ही आपके पास सोती आ रही है। यह उसके लिए सुरक्षा, सुकून और प्यार का प्रतीक बन चुका है, जो एक स्वाभाविक और सुंदर अनुभव है। लेकिन अब समय है कि प्यार के साथ-साथ उसमें धीरे-धीरे स्वतंत्रता के बीज भी बोए जाएं। हेल्दी पेरेंटिंग का मतलब है 'प्यार और स्वतंत्रता का संतुलन' बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, खुद से खाना सीखते हैं, पॉटी-सुसु बताने लगते हैं, स्कूल जाते हैं और पानी की बोतल से खुद पानी पीना सीखते हैं। ये छोटी-छोटी चीजें आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के संकेत हैं। वह समय के साथ छोटे-छोटे काम खुद से करना सीखते हैं, जबकि बचपन में ये सारे काम कोई बड़ा उनके लिए कर रहा था। इसी तरह से अकेले सोना भी

बदलाव उसके आत्मविश्वास को नुकसान न पहुंचा दे। कृपया मेरा मार्गदर्शन करें। जवाब- आपकी चिंता स्वाभाविक है। बहुत से पेरेंट्स को इस स्थिति का सामना करना पड़ता है। हालांकि इसमें बहुत चिंता करने की बात नहीं है। आपकी बेटी 9 साल की उम्र में भी आपके साथ ही सो रही है या रात में अकेले सोने उस स्वतंत्रता की दिशा में एक कदम है। बच्चे को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाना जरूरी- अगर बच्चे बढ़ती उम्र में भी हर काम के लिए पेरेंट्स पर निर्भर रहते हैं तो इसका मतलब है कि अब तक के पालन-पोषण में कुछ कमी रह गई है। कुल मिलाकर इस समय उन्हें स्वतंत्रता देने की जरूरत है। छोटे-छोटे कामों से इसकी शुरुआत करें। बच्चे की क्षमता के अनुसार जितने काम उसके दायरे में आते हैं, वे काम करने के लिए उसे प्रेरित करें। चाहे वह घर के काम हों या उसके खुद के काम। जैसेकि 'पानी का गिलास ला दो', 'अखबार दे दो' और 'ये पैकेट डस्टबिन में फेंक दो' वगैरह-वगैरह। ये काम देखने में छोटे लग सकते हैं, लेकिन इनसे बच्चा महसूस करता है कि वह परिवार का एक अहम हिस्सा है। जब वह कोई काम खुद करता है तो उसकी तारीफ करें और कहें, 'वाह! अब तो तुम बड़े हो गए हो।' इससे वह स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी लेना शुरू करता है। बच्चे में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए कुछ

और कदम उठा सकते हैं। कई बार माता-पिता प्यार में ऐसा व्यवहार करने लगते हैं, जो अनजाने में बच्चे को बहुत ज्यादा डिपेंडेंट बना देता है। जैसेकि- खाना भी मां ही खिलाएं, कपड़े भी मां ही पहनाएं, सामान भी कोई और उठाए, जिस चीज की जरूरत हो उसे बोलने से पहले ही पूरा कर दिया जाए। ऐसे में बच्चा हर छोटी-बड़ी चीज के लिए दूसरों पर निर्भर रहना सीख जाता है। इससे वह न जिम्मेदारी सीखता है, न निर्णय लेना, न धैर्य, न आत्मविश्वास। वह हर काम में किसी और की मदद ढूंढने लगता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे को बचपन से ही अपने छोटे-छोटे फैसले लेने दें, उसे अपने काम खुद करना सिखाएं। याद रखें कि हर बार आगे बढ़कर मदद करने से ज्यादा जरूरी उसे यह भरोसा देना है कि वह ये काम खुद भी कर सकता है। इन छोटे-छोटे कामों और बदलावों से बच्चे में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, जो उसे अकेले सोने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही माता-पिता को यह समझना चाहिए कि अकेले सोना भी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनने की प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। यह कोई सजा नहीं, बल्कि बच्चे के लिए खुद पर भरोसा करना सीखने का एक अवसर है। इसलिए जरूरी है कि पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें, प्यार और स्नेह के साथ प्रेरित करें और समय आने पर धीरे-धीरे सोने की यह स्वतंत्रता उसे सौंपें। इसके लिए धीरे-धीरे कोशिश करें और इस दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें। बच्चे को अचानक खुद से न करें दूर- बच्चे को अचानक अलग करना सही तरीका नहीं है। अगर उसे अचानक अकेले सोने के लिए मजबूर किया जाता है तो वह खुद को असुरक्षित, असहाय और अस्वीकृत महसूस कर सकता है। यह बदलाव उसके आत्मविश्वास को मजबूत करने के बजाय कमजोर कर सकता है। ऐसे में बच्चा या तो हर वक्त माता-पिता की छाया में रहना चाहेगा या फिर भीतर ही भीतर डर और चिंता को दबाकर जीना शुरू कर देगा। इसलिए जरूरी है कि यह बदलाव धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से किया जाए ताकि वह न सिर्फ अलग सोना सीखे, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी। अंत में यही कहूंगी कि बच्चों को स्वतंत्र बनाना है तो पहले उन्हें सुरक्षित महसूस कराना होगा क्योंकि आत्मनिर्भरता वहीं पनपती है, जहां विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव की जड़ें गहरी हों। इससे उसमें धीरे-धीरे अलग सोने की आदत विकसित होगी।

अंकुरित आलू में टॉक्सिक कंपाउंड,खाने से हो सकती हैं 6 हेल्थ प्रॉब्लम्स, जानें आलू को स्टोर करने का सही तरीका

नयी दिल्ली। यूनाइटेड नेशन वेज फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, आलू दुनियाभर में सबसे ज्यादा खाई जाने वाली सब्जियों में से एक है। ये कई सारे जरूरी पोषक तत्वों

से भरपूर होता है। लेकिन अगर आलू अंकुरित हो जाते हैं तो इसे खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अंकुरित आलू वे होते हैं, जिनमें अंकुर यानी 'आंखें' उगने लगती हैं। ये अक्सर तब होता है, जब उन्हें लंबे समय तक स्टोर किया जाता है। अक्सर वे क्लोरोफिल के कारण हरे रंग के हो जाते हैं, जो प्रकाश के संपर्क में आने पर बनता है। नेशनल कैंपिटल पॉइजन सेंटर मुताबिक, अंकुरित आलू सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इसमें सोलेनाइन और चाकोनाइन जैसे कुछ टॉक्सिक तत्त्व होते हैं। इसकी टॉक्सिसिटी से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जानेंगे कि- सवाल जवाब के

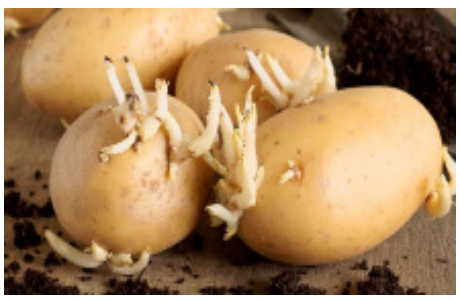

माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. पूनम तिवारी, सीनियर डाइटीशियन, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ जी से साथ ही साथ क्या अंकुरित आलू खाने से किस तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? आलू को स्टोर करने का सही तरीका क्या है? सवाल- किन वजहों से आलू जल्दी अंकुरित होते हैं? जवाब- आलू जमीन के नीचे उगने वाली सब्जी है, जिसमें नमी और स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है। यही कारण है कि यह जल्दी अंकुरित हो जाता है। गर्म और नमी वाली जगह पर रखे आलू तेजी से अंकुरित होने लगते हैं। इसी तरह जब आलू पर रोशनी पड़ती है तो उनमें क्लोरोफिल बनने लगता है और अंकुर निकल आते हैं। अगर आलू को ऐसी जगह रखा जाए, जहां हवा न मिले तो वे जल्दी पसीज जाते हैं और अंकुरण शुरू हो जाता है। लंबे समय तक रखने पर आलू अपनी नेचुरल प्रोसिजर से भी अंकुरित होने लगते हैं। इसके अलावा प्याज-लहसुन जैसी सब्जियां इथिलीन गैस छोड़ती हैं, जो आलू के अंकुरण को तेज करती हैं। कुल मिलाकर यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अंकुर वास्तव में नए आलू के पौधे होते हैं। सवाल- क्या अंकुरित आलू में न्यूट्रिशन की कमी हो जाती है? जवाब- जब आलू अंकुरित होने शुरू होते हैं तो यह नए अंकुरों के ग्रोथ के लिए अपने न्यूट्रिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इससे आलू की न्यूट्रिशनल वैल्यू में कमी आ सकती है। आलू विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है, लेकिन अंकुरित होने पर इसकी मात्रा कम हो जाती है। अंकुरण की प्रक्रिया में आलू में मौजूद स्टार्च शुगर में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स बढ़ जाता है। इसके अलावा अंकुरित आलू में अन्य विटामिन और मिनरल्स जैसे पोटेशियम, विटामिन बी, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा भी कम हो जाती है। सवाल- अंकुरित आलू खाने से कौन सी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- अंकुरित आलू में सोलेनाइन और चाकोनाइन नामक टॉक्सिक ग्लाइकोएल्कलॉइड होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसकी ज्यादा मात्रा से मतली, उल्टी, दस्त और पेट

में ऐंठन हो सकती है। इसलिए अंकुरित आलू खाने से बचना चाहिए। अंकुरित आलू खाने से फूड पॉइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा कुछ और भी समस्याएं हो सकती हैं।सवाल- अंकुरित आलू खाना किन लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि ताजे आलू की तुलना में अंकुरित आलू ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा देता है। यही कारण है कि डायबिटिक मरीजों को इसे बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसके अलावा कुछ और लोगों के लिए भी अंकुरित आलू स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक साबित हो सकते हैं। जैसेकि- गर्भवती महिलाएं, छोटे बच्चे और बुजुर्ग। पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग। न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम वाले मरीज। कमजोर इम्यूनिटी वाले व्यक्ति। एलर्जी से पीड़ित लोग। इन सभी लोगों में अंकुरित आलू से होने वाले सोलनाइन टॉक्सिसिटी का खतरा ज्यादा होता है, जो पेट दर्द, उल्टी, सिरदर्द और चक्कर जैसी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है। सवाल- आलू को कैसे स्टोर करें कि वह जल्दी अंकुरित न हो? जवाब- आलू को अंकुरित होने से बचाने के लिए उसे ठंडी, अंधेरी और हवादार जगह पर 45-50° (7-10°f) के बीच स्टोर करें। इन्हें कभी भी फ्रिज में स्टोर न करें क्योंकि ठंडक स्टार्च को शुगर में बदल देती है और आलू का स्वाद मीठा हो जाता है। आलू को प्याज या नमी वाली सब्जियों के पास न रखें। इन्हें जालीदार थैले या पेपर बैग में रखें ताकि हवा आती-जाती रहे। आलू को ज्यादा समय तक न रखें, समय-समय पर खराब या अंकुरित आलू को अलग करते रहें। इसके अलावा कुछ और बातों का ख्याल रखें।सवाल- अंकुरित आलू को फेंकने की बजाय और किस काम में लाया जा सकता है? जवाब- खाने या फेंकने की बजाय अंकुरित आलू का उपयोग कई अन्य कामों में किया जा सकता है। जैसेकि- अंकुरित आलू को छोटे टुकड़ों में काटकर कंपोस्ट बिन में डाल दें। सड़ने के बाद यह मिट्टी में पोषक तत्व बढ़ाकर पौधों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अंकुरित आलू को पीसकर उसका रस पौधों पर छिड़कें। यह एक नेचुरल पेस्टिसाइड की तरह काम करता है और छोटे कीड़ों को दूर रखने में मदद करता है। आलू का रस स्किन पर लगाने से टैनिंग और डार्क स्पॉट्स कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इसे लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है। अंकुरित आलू को गमले या खेत की मिट्टी में लगा सकते हैं। इससे नए आलू के पौधे उग जाते हैं।

मरीज के गॉल ब्लैडर से निकलीं 8125 पथरी,इन 10 लोगों को स्टोन का रिस्क ज्यादा,कारण व बचाव के तरीके

नयी दिल्ली। हाल ही में गुरुग्राम के फोर्टिस मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डॉक्टरों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग मरीज के पित्ताशय से 8,125 स्टोन निकाले। बुजुर्ग व्यक्ति लंबे समय से पेट दर्द, बीच-बीच में बुखार, भूख न लगने, कमजोरी और सीने व पीठ में भारीपन जैसी कई समस्याओं से जूझ रहा था। सर्जरी के बाद अब मरीज को इन समस्याओं से राहत मिली है। मेडिसिन की भाषा में इस बीमारी को गॉलस्टोन कहा जाता है और इसे ठीक करने के लिए जो सर्जरी की जाती है, उसे कोलिसिस्टेक्टॉमी कहते हैं। पिछले कुछ सालों में गॉलस्टोन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण हमारी खराब लाइफस्टाइल और असंतुलित खानपान है। ग्लोबल डेटा डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में भारत में गॉल ब्लैडर से जुड़ी लगभग 32.9 लाख सर्जरी की गई थी। वहीं क्लिनिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी जर्नल में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनिया की लगभग 6प्रतिशत आबादी गॉलस्टोन की समस्या से जूझ रही है। अमेरिका में यह आंकड़ा लगभग 15प्रतिशत है। अनुमान है कि आने वाले समय में यह समस्या और भी तेजी से बढ़ सकती है। हालांकि कुछ सावधानियों और लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ गॉलस्टोन के खतरे से बचा जा सकता है। गॉल ब्लैडर (पित्त की थैली)

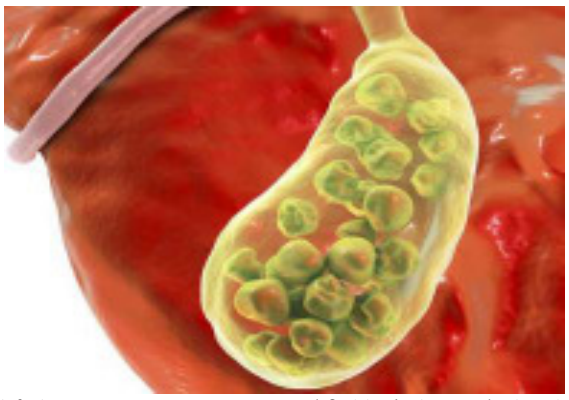

पेट के दाहिनी ओर, लिवर के ठीक नीचे स्थित एक छोटा नाशपाती के आकार का अंग है। यह पित्त को स्टोर करता है और जरूरत पड़ने पर उसे छोटी आंत में छोड़ता है। पित्त का काम भोजन में मौजूद फैट को छोटे-छोटे हिस्सों में तोड़कर उन्हें पचाने में मदद करना है। वहीं जब गॉल ब्लैडर में पथरी (स्टोन) बन जाती है तो इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे खाना पचाना मुश्किल हो जाता है और पेट दर्द, अपच जैसी समस्याएं होने लगती हैं।जब हमारे पित्ताशय के भीतर मौजूद पित्त में कोलेस्ट्रॉल, बिलीरुबिन जैसे तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है तो ये अतिरिक्त तत्व पित्ताशय की दीवारों पर जमा होने लगते हैं। समय के साथ ये कठोर होकर पथरी यानी स्टोन का रूप ले लेते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसे कौन-से कारण हैं, जो पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकते हैं।अगर आप ज्यादा फैट खा रहे हैं और आपके खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है तो पित्त में भी इसकी मात्रा बढ़ जाएगी। वह एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल पित्ताशय की दीवारों पर जमा हो जाता है और धीरे-धीरे स्टोन का रूप ले लेता है।बिलीरुबिन एक बाय-प्रोडक्ट है, जो रेड ब्लड सेल्स के टूटने से बनता है। अगर शरीर में बहुत अधिक बिलीरुबिन है तो इसका कारण यह हो सकता है कि व्यक्ति को कोई ब्लड डिसऑर्डर है, जो बहुत अधिक रेड ब्लड सेल्स को खराब कर रहा है या फिर लिवर में कोई समस्या है। जरूरत से ज्यादा बिलीरुबिन भी पित्ताशय में स्टोन का कारण बन सकता है।कुछ बीमारियां 'बाइल एसिड मालएब्सॉर्प्शन' का कारण बन सकती हैं, जिसका मतलब है कि शरीर से शौच के रास्ते बहुत ज्यादा बाइल एसिड निकल रहा है। बाइल एसिड की कमी के कारण पित्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पथरी बनने का खतरा होता है।अगर गॉल ब्लैडर ठीक ढंग से काम नहीं कर पाता है तो वह पित्त को खाली नहीं कर पाता है। ऐसे में पित्त गाढ़ा होकर जमने लगता है और स्टोन बनने लगते हैं।कुछ लोगों में गॉलस्टोन का खतरा ज्यादा होता है। इसकी वजहें शरीर की स्थिति, लाइफस्टाइल या जेनेटिक्स से जुड़ी हो सकती हैं।गॉलस्टोन के कई मामलों में कोई लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे 'साइलेंट स्टोन' भी कहा जाता है। लेकिन जब यह स्टोन पित्त नली में फंस जाते हैं तो तेज दर्द के साथ मतली, उल्टी और पीलिया जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसका सबसे बेहतर इलाज गॉल ब्लैडर हटाने की सर्जरी है। ये आमतौर पर लेप्रोस्कोपिक तकनीक से होती है और बहुत सुरक्षित मानी जाती है। इसे निकालने के बाद भी व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकता है क्योंकि सर्जरी के बाद पित्त सीधा लिवर से छोटी आंत में पहुंचता है। अगर गॉल ब्लैडर में ज्यादा सूजन, इन्फेक्शन या जख्म हो तो डॉक्टर ओपन सर्जरी की भी सलाह दे सकते हैं।

'पॉटरी कला' को 'नया योग' क्यों कहा जा रहा है?

इस रविवार, वाट्सएप मैसेज का बैकलॉग चेक करते समय मैंने अपने एक दोस्त के स्टेटस पर तस्वीर देखी। वह क्ले से बनी कुछ सजावटी व प्राचीन चीजों के बीच खड़ा था। जब मैंने ये जानने के लिए तस्वीर पर क्लिक किया कि वो कहां है, तो मैं हैरान रह गया। सफेद पैंट-शर्ट पहने हुए उसके हाथ क्ले में भिड़े थे और वह लालटेन पकड़े था। जब मैंने उसे फोन किया, तो उसने मुझे एक और तस्वीर भेजी। इसमें हमारे कुछ अन्य परिचित भी उसके साथ रविवार की एक पॉटरी क्लास में पोज दे रहे थे। हर कोई पिछले तीन रविवार की क्लास में खुद की बनाई कलाकृति पकड़े था। पहले हफ्ते में उन्होंने कला सीखी, दूसरे हफ्ते में कप, गिलास या फूलदान बनाया और एक हफ्ते तक सूखने दिया। इस रविवार को उन्होंने उसे रंगा। उनके चेहरों पर सुंदर-

झलक रही थी। तभी मुझे एहसास हुआ कि सिरेमिक व पॉटरी (क्ले या मिट्टी से कलात्मक चीजें बनाना) की दुनिया युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रही है। यह स्थिरता व आत्म-अभिव्यक्ति का संगम है, जो उनकी व्यस्त जिंदगी में ताजगी भरी राहत प्रदान करती है। आज के समय में जब वेलनेस ट्रेंड्स तेजी से बदल रहे हैं, प्राचीनतम कलाओं में से एक पॉटरी एक बार फिर से लोकप्रिय हो रही है। कई युवा मानते हैं कि यह कला, मानसिक शांति और आराम का सही मिश्रण है, जो योग या ध्यान के समान एक चिकित्सीय अनुभव प्रदान करती है। चाहे आप रचनात्मक पुनरुत्थान की तलाश में हों, तनाव से राहत चाहते हों, या आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम खोज रहे हों, पॉटरी एक नया क्लासरूम बन गया है। पिछले आठ-दस वर्षों में बन गया है। 1 से 12 हफ्तों के ये कार्यक्रम शहरी युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं? पहला कारण इसकी पहुंच है और दूसरा ध्यान केंद्रित करने वाला गुण। पहले क्ले पकाने के लिए भट्ठी एक बड़ी बाधा थी, पर आज ये छोटे एयर कंडीशंड स्टूडियो में उपलब्ध हैं। दबाव में काम करने वाले अधिकांश युवा समझ चुके हैं कि पॉटरी के चिकित्सीय लाभ हैं। मेरे एक मित्र ने कहा, 'ये ध्यान की तरह है, जो आपको दिनचर्या से अलग करने में मदद करता है। 'अधिकांश शिक्षित लोग इस प्राचीन कला की ओर लौट रहे हैं क्योंकि यह न केवल विज्ञान है, जिसमें सामग्री, ऑक्साइड, फायरिंग, ग्लेजिंग का ज्ञान जरूरी है, बल्कि कला भी है, जिसमें पेंटिंग है। आप ताज्जुब कर रहे होंगे कि आखिर क्यों पॉटरी लोकप्रिय वेलनेस ट्रेंड बनता जा रहा है? इसके पीछे कई कारण हैं। 1. माइंडफुलनेस व मेडिटेशनः मिट्टी के साथ काम करने के लिए फोकस की जरूरत है, इससे मानसिक उथल-पुथल कम होती है। बार-बार चाक घुमाकर बर्तन बनाना या हाथ से आकार देना, दोनों ही क्रियाएं ध्यान की तरह शांतिप्रद और थेरेप्यूटिक होती हैं। 2. तनावः में कमीः मिट्टी को आकार देने का स्पर्श अनुभव व रचनात्मक प्रक्रिया दैनिक चिंताओं से ध्यान हटाने में मदद करती है। इसका सीधा असर होता है कि यह कोर्टिसोल को कम करता है। कोर्टिसोल एक ऐसा हार्मोन है जो तनाव और चिंता से जुड़ा होता है। 3. थेरेप्यूटिक लाभः कुछ लोगों के लिए शब्दों में अपनी बात कहना मुश्किल होता है। उनके लिए कुछ बनाना एक प्रकार का संवाद है। इसका एक स्पष्ट लाभ यह है कि यह स्क्रीन से डिस्कनेक्ट कर प्राकृतिक स्व के साथ जुड़ने का मौका देता है। पॉटरी मूर्त कला के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति की अनुमति देता है। यह प्रक्रिया आत्म-सम्मान और उपलब्धि की भावना को बढ़ा सकती है। 4. शारीरिक लाभः फायदों की सूची में ये सबसे निचले क्रम पर हो सकते हैं। लेकिन मिट्टी को गूंथने, आकार देने और मोल्ड करने की शारीरिक क्रिया उन लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती है जो शारीरिक चोटों से उबर रहे हैं। मिट्टी के साथ काम करना फाइन मोटर स्किल्स और हाथ की दक्षता में सुधार कर सकता है। फंडा यह है कि पॉटरी कला युवाओं को उनकी व्यस्त जिंदगी से बचने का मौका देता है। यह कला, माइंडफुलनेस और रिलैक्सेशन का मिश्रण है और इस तरह यह 'नया योग' बनती जा रही है।

बुरी जीत से अच्छा है, शान से हार जाएं

1960 में दक्षिण अफ्रीका में जन्मे केविन कार्टर रंगभेद युग में पले-बढ़े थे। गोरे होने के नाते उन्हें विशेषाधिकारों का आनंद लिया, पढ़ाई की और वायुसेना में शामिल हुए। 1980 में भेदभाव का सामना कर रहे एक अश्वेत का बचाव करने पर उन्हें पीटा गया। यह घटना उनकी जागृति का महत्वपूर्ण मोड़ बनी। 1983 में उन्होंने कुछ भयानक बम विस्फोट देखे और हिंसा से खिन्न होकर उन्होंने रंगभेद की भयावहता को उजागर करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। 1984 में वे जोहान्सबर्ग स्टार अखबार के फोटोग्राफर बन गए। अगले 10 वर्षों में केविन को विरोध प्रदर्शनों, अंतिम संस्कारों और पुलिस व रंगभेद विरोधी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की तस्वीरें लेने के लिए कई बार गिरफ्तार किया गया। 1993 में कार्टर को सूडान में एक असाइनमेंट मिला। सूखे और गृहयुद्ध से बर्बाद इस देश पर दुनिया के मीडिया ने तब तक बहुत कम ध्यान दिया था। केविन संयुक्त राष्ट्र के एक फूड-कैम्प में पहुंचे। वहां उन्होंने एक बच्ची को देखा, जो अकाल से ग्रस्त होकर मिट्टी में पड़ी थी। उसके बगल में एक गिद्ध लालचपूर्ण-धैर्य के साथ

उसके मरने का इंतजार कर रहा था। केविन के शरीर की हर रग उस भयावह दृश्य को देखकर चीख उठी। उन्होंने यंत्रवत ही कैमरा उठाया और अनेक छायाचित्रों में हर कोण से उस बच्ची की पीड़ा को कैमरे में कैद कर लिया। उन्हें इस त्रासदी को दुनिया के सामने लाने वाला भयावह दृश्य मिल गया था। कुछ खबरों के मुताबिक केविन ने गिद्ध को भगा दिया था और उस कृशकाय बच्ची को उठाकर उसके कानों में फुसफुसाते हुए उसे सांत्वना दी थी कि जल्द ही सब ठीक हो जाएगा। फिर उन्होंने बच्ची को बचाव दल को सौंप दिया था। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह तस्वीर उन्हें आजीवन परेशान करेगी। वापस लौटने पर उन्हें इस तस्वीर के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। लेकिन प्रशंसा के साथ-साथ आलोचना और पड़ताल भी हुई। कई लोगों ने उनके इरादों पर सवाल उठाए और उन पर अपने निजी मकसद के लिए एक बच्ची की पीड़ा का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अप्रैल 1994 में जब केविन को पुलित्जर पुरस्कार मिला तो यह उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होनी चाहिए थी। लेकिन वह पुरस्कार उन्हें अपने उस असहनीय अपराध-बोध की याद दिलाने लगा। मुझे 1994 में जोहान्सबर्ग में केविन से मिलने का मौका मिला था, जब मैं नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बनने की घटना को कवर कर रहा था। इसके चार महीने बाद ही केविन ने 33 साल की उम्र में आत्महत्या कर ली। उसी साल (1994) और उसी देश (सूडान) से आठ साल के गुओर मारिअल गृह युद्ध के दौरान दक्षिण सूडान के एक शरणार्थी शिविर से भाग निकले थे। एक रात सैनिकों ने उनके घर पर छापा मारा था और एक राइफल के प्रहार से उनका जबड़ा तोड़ दिया था। वे बेहोश हो गए। बाद में उन्होंने खुद को एक शरणार्थी शिविर में पाया। उनके परिवार के 28 सदस्य मारे गए, लेकिन वे मिस्र भागने में सफल रहे, और फिर 16 साल की उम्र में स्थायी रूप से अमेरिका चले गए। चूंकि वे बचपन से ही सशस्त्र विद्रोहियों से भागते आ रहे थे, इसलिए 28 की उम्र में उन्हें 2012 के लंदन ओलिम्पिक में मैराथन के लिए प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला। तब सवाल उठा कि वे किस देश का झंडा लेकर चलेंगे? वे अमेरिकी नागरिक नहीं थे और उनकी मातृभूमि दक्षिण सूडान को 2011 में ही एक स्वतंत्र देश का दर्जा मिला था। वह देश ओलिम्पिक में सम्मिलित होने की पात्रता को पूरा नहीं कर पाया था। यही कारण था कि जब गुओर के समक्ष सूडान का झंडा लेकर चलने की पेशकश की गई, तो उन्होंने विनम्रता से मना कर दिया। क्योंकि सूडान से हुआ गृहयुद्ध ही उनके परिवार की हत्या के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने ओलिम्पिक ध्वज उठाया और वे पहले या तीसरे नहीं, बल्कि 47वें स्थान पर रहे। लेकिन पूरी दुनिया और मीडिया ने उनकी 'विजयी' हार का जश्न मनाया, क्योंकि उन्होंने मात्र एक साल पुराने एक देश को पहचान दी थी। फंडा यह है कि तय करें हमारे बच्चों को क्या चुनना चाहिए- एक विजयी हार को अपनाना या एक बुरी जीत का आनंद लेना।

अच्छी सड़कें सिर्फ जोड़ती नहीं हैं, जीवन को भी समृद्ध बनाती हैं

चेन्नई से 300 किलोमीटर दूर-दराज के एक गांव में एक महिला प्रसव पीड़ा में थीं। उन्हें मदद की जरूरत थी। बच्चा जन्म लेने वाला था। लेकिन उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए सिर्फ सात किमी की दूरी तय करने में कई घंटे लग जाते। लेकिन यह जोखिम भरा था क्योंकि रास्ते उबड़-खाबड़ थे, कावेरी नदी उफान पर थी और गर्भवती महिला के साथ तैरकर पार करना संभव नहीं था। ऐसे में सबसे आसान और तेज विकल्प था कि दाई को बुलाया जाए। वह दाई उन सैकड़ों पारंपरिक दाइयों में से एक थी जो आसपास के कई गांवों में प्रसव कराती थीं। दाई पहुंची और उन्होंने सबसे पहले महिला से कहा, 'धैर्य रखो, हम मिलकर बच्चे को जन्म देंगे, बस हम पर भरोसा रखो।' इन शब्दों ने महिला को आत्मविश्वास दिया और उन्हें थोड़ा सुकून मिला। गांव की सभी महिलाएं उस घर के सामने इकट्ठा हो गईं। पुरुषों को थोड़ी दूरी पर खड़ा रहने को कहा गया ताकि दाई को कुछ जरूरत हो तो वे बाजार से ला सकें। और अचानक सभी महिलाएं खुशी से झूम उठीं, जैसे क्रिकेट स्टेडियम में छक्का लगने पर होता है। यह खुशी नवजात के रोने की आवाज सुनकर थी। गली के कोने पर खड़े पुरुषों ने भी राहत की सांस ली। कुछ ने आसमान की ओर देखकर भगवान का धन्यवाद किया, तो कुछ ने अपनी गर्दन में लटके लॉकेट को उतारकर सम्मानपूर्वक अपनी आंखों पर लगाया। यह घटना 1940 की है और इसी तरह

मेरी मां का जन्म हुआ था। एक दशक बाद जब उनके सबसे छोटे भाई का जन्म हुआ, तो यह दृश्य दोबारा नहीं देखा गया, क्योंकि तब तक वहां पक्की सड़क बन चुकी थी और लोग बैलगाड़ी में एक घंटे से भी कम समय में गर्भवती महिलाओं को पास के अस्पताल ले जाने लगे थे। हाल ही में जब मैं उस गांव में गया, तो देखा कि अब वही दूरी, आपस में जोड़ती दो लेन की सड़कों के कारण मात्र 15 मिनट में तय हो जाती है। यह पुरानी यादें इस गुरुवार को तब ताजा हो गईं, जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ नाशिक के इगतपुरी में हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के अंतिम चरण का उद्घाटन किया। 701 किमी लंबे नागपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे के अंतिम 76 किमी खंड के उद्घाटन के साथ ही महायुति द्वारा राज्य के विकास के लिए किया गया वादा पूरा हुआ। यह एक्सप्रेसवे अब राज्य के बंदरगाह आधारित विकास योजना के तहत 24 जिलों को सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से बंदरगाहों से जोड़ता है। अपने भाषण में फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार एक और वादा पूरा करेगी, जो है एक्सेस-कंट्रोल्ड शक्तिपीठ हाईवे का निर्माण। महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों में चार शक्तिपीठ हैं। इनके जुड़ने से न केवल तीर्थयात्रियों को लाभ होगा, बल्कि इससे मराठवाड़ा के आर्थिक विकास को बल मिलेगा, जिसकी अमेरिका जैसे विकसित देशों के अंतरराज्यीय हाईवे सिस्टम से तुलना की जा सकती है। इसमें कोई शक नहीं कि अमेरिका की सड़कें दुनिया की सबसे बेहतरीन सड़कों में गिनी जाती हैं। खासकर इंटरस्टेट हाईवे सिस्टम देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। ये सड़कें न केवल परिवहन को सुगम बनाती हैं, बल्कि लॉजिस्टिक लागत को भी कम करती हैं। इससे व्यापारियों को व्यापक बाजार तक पहुंच मिलती है। यह नेटवर्क, उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ता है, सुरक्षा में सुधार करता है और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाता है। इससे जीवन स्तर में भी सुधार होता है। सड़कों के निर्माण से स्वास्थ्य सेवाएं भी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं, जो मानव जाति के लिए एक बड़ा लाभ है। इसके अलावा, सड़क नेटवर्क पर्यटन को बढ़ावा देता है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और मनोरंजन जैसे संबंधित उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। फंडा यह है कि अच्छी सड़कों का निर्माण केवल कनेक्टिविटी नहीं बढ़ाता, बल्कि जीवन को भी समृद्ध बनाता है। इससे न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा देश भी समृद्ध होता है, क्योंकि इनसे व्यापार और वाणिज्य में उछाल आता है।

भारत अब केवल कूटनीति पर ही निर्भर नहीं रहने वाला है

अब जब ऑपरेशन सिंदूर को एक महीना पूरा होने आया है, उससे जुड़े कुछ निष्कर्षों को ठीक से समझ लेना जरूरी है। भारत की सेना ने पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों और अन्य फेसिलिटीज पर जोरदार लेकिन ऐहतियाती और टारगेटेड हमला किया था।यहां तक ??कि आक्रमण का समय भी रात को इसलिए चुना गया ताकि नागरिकों को होने वाली क्षति से बचा जा सके। पाकिस्तान हाई-अलर्ट पर था, इसके बावजूद भारत ने सफलतापूर्वक उसकी डिफेंसिव-लाइंस को

भेद दिया और अपने लक्ष्यों पर प्रहार करके कुछ आतंकवादियों का खात्मा करने में सफलता पाई। याद रहे कि इन आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में उच्च-स्तरीय पाकिस्तानी अधिकारी शामिल हुए थे।इस ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से भारत के इंगेजमेंट्स की शर्तें हमेशा के लिए बदल गई हैं, क्योंकि अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें बहुत कम हासिल हो सका। यहां तक ??कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद प्रतिबंध समिति ने भी लंबे समय तक पाकिस्तान को अपने एक स्थायी सदस्य की छत्रछाया में रहने की अनुमति दी है।भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को छोड़ नहीं रहा है, लेकिन अब वह केवल उसी पर निर्भर भी नहीं रहेगा। इसके बजाय, भारत अब आतंकवाद का सैन्य-बल से जवाब देगा और किसी भी जवाबी कार्रवाई का स्पष्ट और दृढ़ संकल्प के साथ सामना भी करेगा। लेकिन भारत पाकिस्तान को उसके परमाणु हथियारों की धौंस दिखाने की अनुमति नहीं देने वाला।2016 में सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर 2019 में खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमले तक, भारत ने अपने अभियानों के दायरे का उत्तरोत्तर विस्तार किया है और ऐसा करते हुए नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों को लांघा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के गढ़ में प्रहार किए गए। भारत ने दिखाया है कि आतंकवाद का मुकाबला परमाणु-युद्ध को आमंत्रित किए बिना भी एक संतुलित सैन्य-प्रतिक्रिया से किया जा सकता है।पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अब जब भविष्य में कश्मीर या अन्य जगहों पर तबाही मचाने के लिए आतंकवादियों को भेजने पर विचार करेगा, तो पहले उसे खुद से पूछना होगा कि क्या वह भारत के जवाबी हमले के लिए भी तैयार है? उलटे इससे पाकिस्तान के लोगों को पानी की किल्लत हो सकती है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यही संदेश दिया था।जहां उसके बाद से भारत ने जलप्रवाह को मोड़ने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाई है, लेकिन इस संदेश ने उपमहाद्वीप की भू-राजनीति को मौलिक रूप से बदल दिया है। भारत अब शांति के लिए बातचीत भर नहीं कर रहा है; वह पानी की निरंतर आपूर्ति के बदले में आतंकवाद की समाप्ति की मांग भी कर रहा है।ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दुनिया को यह भी याद दिलाया है कि पाकिस्तान के आतंकवाद से कितने गहरे ताल्लुक हैं। युद्ध विराम को अंजाम देने वाली परदे के पीछे की बातचीतों के बारे में नए विवरण निस्संदेह सामने आएंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि यह भारतीय सैन्य दबाव के बिना संभव नहीं था।इसके बाद अब निकट-भविष्य में भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, क्योंकि ऐसी कोई भी बातचीत- खासकर कश्मीर मुद्दे पर- फिलहाल दूर की संभावना है।वैसे भी कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का मूल कारण नहीं है, यह तो पाकिस्तान द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अपने दावों को सही ठहराने के लिए फैलाया गया एक मिथक है। यह नैरेटिव एक ऐसे कट्टरपंथी तर्क पर आधारित है- जिसे हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने दोहराया था- कि मुसलमान गैर-मुस्लिम बहुसंख्यक देश में नहीं रह सकते।भारत व पाकिस्तान में कोई तुलना नहीं है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से 11 गुना अधिक है और उसकी सैन्य-श्रेष्ठता के आगे भी पाकिस्तान नहीं टिकता। पाकिस्तान में उसकी फौज को हासिल अत्यधिक अधिकार, राष्ट्रीय बजट पर नियंत्रण, चीन और तुर्किए के साथ रणनीतिक गठबंधन उसे सशस्त्र संघर्ष को बनाए रखने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं, जबकि किसी भी पारंपरिक युद्ध में भारत हमेशा पाकिस्तान पर न केवल जीत हासिल करेगा, बल्कि उसे काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। भारत ने सीमापार आतंकवाद का सामना करने में जैसी दृढ़ता दिखाई, उस पर वह गर्व कर सकता है।अब भारत ने सैन्य-कार्रवाई को लेकर झिझक छोड़ दी है। एक अरसे तक कश्मीर मुद्दे के 'अंतरराष्ट्रीयकरण' के अंदेशे ने भारत को निरर्थक कूटनीतिक प्रक्रियाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन उनसे हमें क्या हासिल हुआ? (शशि थरूर)

आपका टैरेस भविष्य में आपको 'पॉवर-फुल' बना सकता है!

हमने परिवहन में इलेक्ट्रिक कारों के विचार को स्वीकार कर लिया है। हमने पेसमेकर के विचार को भी अपना लिया है, जिसे दिल की धड़कनों को स्थिर रखने के लिए डिजाइन किया गया है। लेकिन अब अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार हो जाइए।आने वाले समय में इलेक्ट्रिक विमान भी होंगे और वही बिजली रुमेटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से लेकर ग्लियोब्लास्टोमा जैसे मुश्किल से इलाज होने वाले मस्तिष्क कैंसर और पैंक्रियाटिक कैंसर को ठीक करने के लिए भी तैयार हो रही है!जी हां, न केवल बीमारियों के संभावित उपचार के रूप में, बल्कि नई ग्रीन-टेक्नोलॉजी को अपनाकर 2050 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के अपने जलवायु-लक्ष्य तक पहुंचने में एविएशन क्षेत्र की मदद करने के लिए भी बिजली तैयार हो रही है।टोरंटो से 135 किमी दूर ओंटारियो के लिंडसे में एक छोटे-से हवाई अड्डे पर आपका स्वागत है। यहां होराइजन एयरक्राफ्ट लिमिटेड नामक कंपनी चुपचाप

दुनिया का पहला हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग विमान बना रही है।इसे 'ईवीटीओएल विमान' के नाम से जाना जाता है! खोज और बचाव कार्यों, टाइट लैंडिंग्स, छोटे समूहों और क्षेत्रीय उड़ानों के लिए डिजाइन किए गए होराइजन का सात सीटर विमान पायलट सहित किसी हेलीकॉप्टर की तरह टेकऑफ और लैंड करता है, लेकिन वह 450 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करने में सक्षम है। कंपनी के सीईओ ब्रैंडन रॉबिन्सन को भरोसा है कि अगले 24 महीनों में उड़ान परीक्षण शुरू करने के लिए एक फुल-स्केल प्रोटोटाइप तैयार हो जाएगा।यदि आप 'ईवीटीओएल विमान' की मदद से दो घंटे की यात्रा करके अमेरिका के सिनसिनाटी विश्वविद्यालय जाते हैं, जो कि वहां से 800 किमी दूर है और पोर्टसमाउथ, जो कि 900 किमी दूर है, तो आप नोवोक्योर नामक ऑन्कोलॉजी कंपनी के मुख्यालय में पहुंच जाएंगे।वे संयुक्त रूप से पता लगा रहे हैं कि डिवाइस के आकार को कैसे छोटा किया जाए और इलेक्ट्रिक फील्ड्स और प्लेसेस को ऐसे कैसे ?उपयोग किया जाए कि इससे कैंसर के इलाज में मदद ली जा सके। उन्होंने पहले से ही ऐसी तकनीक विकसित कर ली है, जो ट्यूमर के विकास को धीमा करने के लिए शरीर के सेल-डि?वीजन में इलेक्ट्र?किल फोर्सेस को बाधित करती है।शरीर में विद्युत-घटकों के होने का यह नया विचार हमारे भविष्य के इलाज के तरीकों के बारे में हमारी सोच को बदल रहा है। नोवोक्योर के सीईओ एशले कॉर्डोवा का तो यही मानना ??है। 62 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर टिम नुगेंट जैसे ग्लियोब्लास्टोमा के रोगी पहले ही अपने सिर पर इलेक्ट्रोड्स युक्त पैचेस पहन रहे हैं, जो एक बैटरी पैक से इलेक्ट्रोड्स डिलीवर करते हैं।इसके पीछे यह सोच है कि सेल-डिवीजन को बाधित करने के लिए कम तीव्रता वाले इलेक्ट्रिकल फील्ड्स का उपयोग किया जाए। इनमें से कुछ निष्कर्ष अभी मानव परीक्षण के चरण में हैं। यह बताता है कि भविष्य में नई तकनीकें इस बात का दायरा बढ़ाने जा रहे हैं कि कैसे बिजली हमारे दैनिक जीवन में और महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हो सकता है बिजली कैंसर का इलाज करने में कामयाब हो जाए।आने वाले वर्षों में हमारे जीवन का हिस्सा बन सकने वाली ये वैश्विक गतिविधियां एक प्रमुख बदलाव की ओर इशारा करती हैं।

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान-दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

एआई समिट में यूथ कांग्रेस ने अर्ध-नग्न होकर किआ प्रदर्शन,मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए,बीजेपी बोली- राहुल के घर पर प्लानिंग हुई

नयी दिल्ली। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के खिलाफ नारे लगाते हुए कहा- 'पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड'। प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें 15-20 की संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ हाथ में सफेद रंग की टी-शर्ट लिए हुए हैं। टी-शर्ट पर पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की फोटो लगी है। उसपर लिखा है- पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड। इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया और लिखा- एआई समिट के चमकदार मंच के पीछे सच दबाया नहीं जा सकता। जब देशहित से ऊपर कॉरपोरेट हित दिखें और विदेश नीति में नरमी साफ नजर आए, तब विरोध कर्तव्य बन जाता है। वहीं भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने साजिश के तहत इंटरनेशनल

समिट में भारत की छवि धूमिल की है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा- यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग था। इसकी प्लानिंग राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां सोनिया और प्रियंका मौजूद थीं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह प्रदर्शन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है। अब तक चार से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है। एडिशन पुलिस कांस्टेबल देवेश कुमार महला ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 12:30 बजे घटी। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और क्यूआर कोड स्कैन करके समिट हॉल में एंट्री की। उन्होंने ऊपर स्वेटर और जैकेट पहनी हुई थी और अंदर टी-शर्ट। हॉल नंबर 5 के पास उन्होंने अपने स्वेटर और जैकेट उतार दिए और टी-शर्ट लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया।भाजपा ने एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की आलोचना की है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- यह कांग्रेस के अहंकार और हताशा का प्रदर्शन है! राहुल गांधी के लिए भारत को अपमानित करना ही सरकार को निशाना बनाने का तरीका है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कहा- कांग्रेस के लिए एआई का मतलब एंटी-इंडिया है। यह छ्ण नहीं, बल्कि एंटी-नेशनल कांग्रेस है। कांग्रेस राहुल गांधी के कहने पर विरोध कर रही है। यह भाजपा या प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन नहीं, यह भारत की उपलब्धियों के खिलाफ प्रदर्शन है। एआई समिट में प्रदर्शन पर नेताओं की प्रतिक्रिया- तरुण चुघ, भाजपा नेता - 'कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंटरनेशनल समिट में भारत की छवि धूमिल की है। ये साजिश के तहत की गई है। जो माफ नहीं की जा सकती है। देश की जनता इस तरह के हरकतों के लिए कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी।' मनोज झा, आरजेडी सांसद - 'मेरा मानना है कि देश में आक्रोश है और यह आक्रोश कई मोर्चों पर है लेकिन मुझे लगता है कि इस तरह के समिट में विरोध प्रदर्शन करना ठीक नहीं था।' संबित पात्रा, भाजपा सांसद - 'यह किसी युवा कांग्रेस नेता द्वारा सड़क पर अचानक किया गया प्रदर्शन नहीं था। इसकी योजना राहुल गांधी के आवास पर बनाई गई थी, जहां राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका वाड्रा मौजूद थीं। यह संयोग नहीं, बल्कि एक प्रयोग है।' उदय भानु चिब, इंडिया यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष- हमारे युवा कांग्रेस के साथी राहुल गांधी के सिपाही हैं। वे डरेंगे नहीं। जब राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर नहीं थी, तब भी ईडी का मामला इतने सालों तक चलता रहा। भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है, लेकिन हम संविधान के सिपाही हैं, राहुल गांधी के सिपाही हैं। हम देश के युवाओं के लिए आवाज उठाएंगे।' 2026 इंडिया एआई इंपैक्ट समिट नई

दिल्ली के भारत मंडपम में 16 फरवरी 2026 से शुरू हुआ। यह 20 फरवरी तक होना था लेकिन भीड़ और आयोजनों के चलते इसे 21 फरवरी 2026 तक बढ़ा दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 फरवरी को समिट का उद्घाटन किया था। यहां दुनियाभर की कंपनियों ने अपने लेटेस्ट एआई सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश किया है। यहां आम लोग देख सकते हैं कि एआई असल जिंदगी में कैसे काम करता है और भविष्य में एआई से खेती, सेहत और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में क्या बदलाव लाने वाला है।इस समिट की थीम राष्ट्रीय विजन 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय', यानी सभी का कल्याण, सभी का सुख पर आधारित है। इसका उद्देश्य मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत को बढ़ावा देना है। इस समिट में 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं।इसके अलावा लगभग 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 से ज्यादा मंत्री, और 45 से ऊपर तकनीकी कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हुए। इसके अलावा 300प्लस प्रदर्शक और 30प्लस देशों की थीम पवेलियन्स भी समिट का हिस्सा रहे हैं, जो वैश्विक साझेदारी और एआई के उपयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।एआई समिट उद्घाटन के बाद से लगातार विपक्षी पार्टियों के निशाने पर रहा। विवाद तब और बढ़ा जब उत्तर प्रदेश की गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने समिट के दौरान अपने स?टॉल पर रोबोटिक डॉग 'ओरायन' प्रदर्शित किया था। यूनिवर्सिटी पर आरोप है कि उसने चीन में बने रोबोट डॉग को अपना इनोवेशन बताकर समिट में दिखाया। चीनी रोबो डॉग के साथ ही यूनिवर्सिटी ने कोरियन कंपनी के एक ड्रोन को भी अपना बताया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। कई टेक एक्सपर्ट्स और यूजर्स ने दावा किया कि रोबोट डॉग चीनी कंपनी 'यूनिट्री' का 'उद2' मॉडल है, जो बाजार में 2-3 लाख रुपए में उपलब्ध है। वहीं ड्रोन रु40 हजार वाला रेडीमेड 'स्ट्राइककर ≡3ँइ' मॉडल था। विवाद के बाद सरकार ने यूनिवर्सिटी को समिट से बाहर निकाल दिया था।इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की। मोदी सरकार ने एआई के मामले में दुनिया भर में भारत का मजाक बनवाया है। एआई समिट में चीन के रोबोट्स को हमारा बताकर दिखाया जा रहा है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह भारत के लिए वाकई शर्मिंदगी की बात है। कांग्रेस ने कहा- सबसे ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि मोदी के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इसी झूठ में शामिल हैं और भारतीय समिट में चीन के रोबोट्स को प्रमोट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश की छवि को ऐसा नुकसान पहुंचाया है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती।वीडियो वायरल होने के बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने कहा था- हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि गलगोटिया ने यह रोबोटिक डॉग नहीं बनाया है और न ही हमने कभी ऐसा दावा किया है। लेकिन हम ऐसे दिमाग तैयार कर रहे हैं जो जल्द ही भारत में ऐसी ही टेक्नोलॉजी को डिजाइन करेंगे, उनकी इंजीनियरिंग करेंगे और उन्हें यहीं बनाएंगे।

गौरव गोगोई सही रास्ते पर हैं,हिमंता चुनाव से डरे,इसलिए आरोप लगा रहे-प्रियंका गांधी

गुवाहाटी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गौरव गोगोई और उनके परिवार को 'पाकिस्तान लिंक' के आरोपों

में घसीटना गलत राजनीति है।

प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए। प्रियंका बोली- गौरव जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है। असम की जनता जानती है कि दूसरी तरफ के लोग उनसे घबराए हुए हैं। वह सही रास्ते पर चल रहे हैं। यह उनके लिए सम्मान की बात है। प्रियंका गांधी का आज असम दौरे का दूसरा दिन है। सुबह वह गुवाहाटी के पास सोनापुर पहुंचीं। गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की। तीन मुख्या बातें जो प्रियंका ने कही- मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि उन्होंने असम के विकास के लिए क्या किया है। असम की युवा पीढ़ी को नौकरी और रोजगार की जरूरत है। जहां-जहां भाजपा की सरकार है, वहां चुनाव से पहले महिलाओं को पैसा दिया जाता है, लेकिन क्या उन्हें पांच साल सुरक्षा मिली? कितनी महिलाओं को रोजगार मिला और कितनों को आत्मनिर्भर बनाया गया? राज्य की संपत्ति जनता के हाथ से निकलकर 'एक परिवार' के पास जा रही है और योजनाओं का इस्तेमाल सिर्फ चुनावी फायदा लेने के लिए किया जा रहा है।प्रियंका गांधी ने हिमंता के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के लिए कई कारक तय करते हैं। अगर वे दस साल बाद भी मुख्यमंत्री नहीं बनने देने कि बात पर रो रहे हैं, तो मुझे और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।प्रियंका गांधी ने असम विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार के खिलाफ 20 पॉइंट्स की चार्जशीट जारी की। यह चार्जशीट असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से तैयार की गई है। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि प्रियंका गांधी असम की जनता की भावनाएं समझने आई हैं और कांग्रेस पार्टी आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है।असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हिमंता ने बोरा को कांग्रेस का आखिरी हिंदू नेता बताया है। हिमंता 'असम के जिन्ना' हैं, उन्हें नेताओं को 'हिंदू सर्टिफिकेट' देना बंद करना चाहिए। गोगोई ने ये भी कहा- भाजपा में शामिल होने वाले नेता अपनी पार्टी के लिए गैरजरूरी हो जाते हैं। ऐसा ही हाल असम कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा का होगा।

महिला के पेट से निकला सर्जिकल टूल,बोली- 5 साल पहले ऑपरेशन हुआ, तब डॉक्टर ने लापरवाही की

अलाप्पुझा। सर्जरी के 5 साल बाद महिला के पेट में सर्जिकल टूल (आर्टरी फोर्सेप्स) मिलने का मामला सामने आया है। केरल के अलाप्पुझा के पुन्नप्रा गांव की रहने वाली उषा जोसेफ (51) के पेट में

टूल मिला है। ऊषा के बेटे शिबिन ने बताया कि मां की मई 2021 में अलाप्पुजा मेडिकल कॉलेज में गर्भाशय की गांठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह घर आ गई थीं, लेकिन उनके पेट में लगातार दर्द बना रहता था। शिबिन के मुताबिक मां का पेट दर्द का इलाज लगातार चल रहा था। हमे लगा कहीं किडनी में स्टोन तो नहीं, इसलिए उनका एक्स-रे कराया। उनके पेट में आर्टरी फोर्सेप्स (छोटी ब्लड वेसल्स को पकड़ने का टूल) नजर आया। शिबिन ने कहा कि हम एक्स-रे रिपोर्ट लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। तो वहां के डॉक्टरों ने मां के पेट से सर्जरी करके टूल निकालने की बात कही। लेकिन अब मां को कोच्चि के निजी अस्पताल में एडमिट कराया है।शिबिन ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने इस मामले में मुआवजा देने से इनकार कर दिया है। मैं अब पुलिस में अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराऊंगा। मेडिकल कॉलेज की सर्जन डॉ. ललिताम्बिका (वर्तमान में रिटायर) ने मां की सर्जरी के लिए पैसे भी लिए थे।वहीं, मामले पर रिटायर्ड सर्जन डॉ. ललिताम्बिका ने कहा है कि उन्होंने ऊषा की सर्जरी नहीं की थी। यह सर्जरी उनके रिटायरमेंट से ठीक पहले हुई थी, जब वह अस्पताल के सर्जरी के बड़े केस में शामिल भी नहीं थीं। मैं उस समय यूनिट हेड थी, इसलिए मुझ पर आरोप लगाया जा रहा है। डॉ. ललिताम्बिका ने कहा कि ऑपरेशन से पहले और बाद में फ्लोर नर्स टूल्स की गिनती करती है। इस फेल्योर के लिए वही जिम्मेदार है। मैंने मरीजों से किसी तरह की रकम नहीं ली है। मामले पर केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि जो भी अधिकारी-कर्मचारी इस सर्जरी में शामिल थे और आज भी सरकारी सेवा में हैं। उनके खिलाफ जांच होगी। लापरवाही मिलने पर उन्हें सस्पेंड किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिना स्क्रब नर्स के सर्जरी कैसे की जा सकती है? अगर ऐसी सर्जरी होती है, तो यह अपने आप में उल्लंघन होगा। मामले की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट हेल्थ एजुकेशन डायरेक्टर को सौंप दी गई है।अब मामले की जांच के लिए सीनियर डॉक्टरों की एक्सपर्ट कमेटी बनाई गई है। इसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

देश में शिवाजी जयंती पर हंगामा,कर्नाटक में भी काटा बवाल, हैदराबाद में हिंदू-मुस्लिम पक्ष में विवाद यूट्यूबर से मारपीट

हैदराबाद। देशभर में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी

महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान कुछ राज्यों से हंगामे की खबर भी आई। कर्नाटक के बागलकोट में शिवाजी जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस के दौरान पथराव हुआ। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। यहां भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 के लागू की गई। हैदराबाद में गुरुवार रात मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दो समुदाय के बीच विवाद की स्थिति बनी। यहां पहले एक यूट्यूबर से मस्जिद की रिकॉर्डिंग को लेकर विवाद हुआ। इसी दौरान मस्जिद के सामने से जुलूस निकालने पर दोनों समुदाय आमने-सामने आ गए। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली और लोगों को मौके से हटाया।बागलकोट में गुरुवार रात करीब 10 बजे शिवाजी जयंती का जुलूस निकाला जा रहा था। जब वह पानका मस्जिद इलाके से गुजरा, तभी उस पर पत्थर और चप्पल फेंके गए। बागलकोट एसपी सिद्धार्थ गोयल ने कहा कि पथराव में पुलिसकर्मी घायल हुआ। एसपी ने कहा कि पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है। फुटेज की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इलाके में 24 फरवरी की आधीरात तक बीएनएस की धारा 163 लागू रहेगी। इलाके में स्थिति कंट्रोल में है। घटना के चश्मदीद उमेश के मुताबिक जुलूस के दौरान मस्जिद के पास घटना हुई। करीब 8-10 लोगों ने वहां पत्थर और चप्पल फेंके। अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। हैदराबाद के अंबरपेट में गुरुवार रात एक यूट्यूबर जामा मस्जिद के पास वीडियो बना रहा था। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने आपत्ति जताई। दावा है कि यूट्यूबर से मारपीट हुई। इसी दौरान घटना मस्जिद के सामने से छत्रपति शिवाजी महाराज की शोभायात्रा भी गुजर रही थी। इस कारण दोनों समुदाय के बीच और हंगामा हो गया। दोनों समुदाय ने जमकर नारेबाजी की। स्थिति बिगड़ने लगी तो ज्यादा पुलिसफोर्स मौके पर बुलाया गया। भीड़ को मौके से हटाया गया। इस दौरान आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए।

जयराम रमेश बोले- मोदी गवर्नमेंट मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया'

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में आयोजित एआई

इम्पेक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी की है। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में लिखा कहा- मोदी गर्वेनेंस का मतलब 'मैक्सिमम ऑप्टिक्स डैमेजिंग इंडिया, यानी भारत को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचा रहे है।

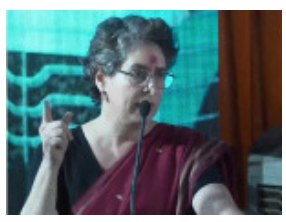

उन्होंने लिखा कि अमेरिका-पाकिस्तान बीच रोमांस बिना रुके जारी है। जब ये हो रहा था तब खुद को 'विश्वगुरु' बताने वाले संक्षिप्त शब्दों में दुनिया को ज्ञान दे रहे थे और सीओज़ को अपनी एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर कर रहे थे। रमेश का कमेंट पीएम मोदी का समिट में आए ग्लोबल टेक लीडर्स के साथ हाथ उठाकर फोटो खिंचाने पर आया है।

इधर 19 फरवरी को वॉशिंगटन डीसी में बोर्ड ऑफ पीस इवेंट में पाकिस्तान के पीएम और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की मीटिंग हुई।सम्मिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दुनिया के दिग्गज नेताओं और टेक कंपनियों के प्रमुख ग्रुप फोटो के लिए मंच पर आए। मंच पर पीएम मोदी के साथ ओपन-एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन, एआई एक्सपर्ट्स और अन्य वैश्विक टेक लीडर्स मौजूद थे। ग्रुप फोटो के दौरान सभी नेताओं ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर ऊपर उठाया। पीएम मोदी के दोनों ओर खड़े नेताओं ने उनका हाथ थामा, लेकिन ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने पास खड़े एंथ्रोपिक सीओज़ डारियो अमोदेई का हाथ नहीं पकड़ा।

बाद में सैम ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि उस समय क्या करना था।बताया जा रहा है कि ओपन-एआई के अंदर पहले भी मतभेद सामने आ चुके हैं। 2021 में कंपनी के भीतर कुछ फैसलों और साझेदारी को लेकर विवाद की स्थिति बनी थी। माइक्रोसॉफ्ट के साथ ओपन-एआई के समझौतों और कंपनी की दिशा को लेकर मतभेद की खबरें सामने आई थीं। इन घटनाओं के बाद कंपनी के अंदर नेतृत्व और फैसलों को लेकर कई बदलाव हुए और नए प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू किया गया।जयराम रमेश के सरकार के खिलाफ पुराने बयान-22 जनवरीः जयराम रमेश ने ट्रम्प के बयान का वीडियो शेयर किया था। जिसके साथ लिखा था कल तक भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने के दावे की ट्रम्प की गिनती 70 थी और आज यह 71 हो गई है। यह याद रखना चाहिए कि दावोस में भारत का एक बड़ा भारतीय प्रतिनिधिमंडल मौजूद है।इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया था। पीएम ने कहा था कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

कांग्रेस ने सीमाएं खुली छोड़ीं,घुसपैठ बढ़ी-अमित शाह,असम से रु6900 करोड़ की योजना लॉन्च की

कहा- 5 साल में राज्य को बाढ़मुक्त करेंगे

असम। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस ने देश की सीमाएं

खुली छोड़ दी थीं, जिसकी वजह से असम में घुसपैठ बढ़ी। भाजपा सरकार ने इस

समस्या से सख्ती से निपटा है। शाह ने असम के कछार जिले में जनसभा में कहा कि कांग्रेस के शासन में असम में कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं हुआ। आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। शाह दो दिन के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछार के नाथनपुर गांव से रु6,900 करोड़ रुपए की 'वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करेगा। अमित शाह के भाषण की 5 बड़ी बातें- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता सीमावर्ती गांवों का विकास है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम उसी दिशा में उठाया गया कदम है।, योजना के दूसरे चरण में रु6,900 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 1,954 गांव इसमें शामिल हैं।

वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश से सटे 334 ब्लॉकों का समग्र विकास किया जाएगा। योजना का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों से पलायन रोकना और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से होने वाली घुसपैठ पर अंकुश लगाना है।

पिछले 10 साल में भाजपा ने असम के विकास को नई दिशा दी है। अगले पांच साल में हम असम को बाढ़मुक्त राज्य बनाएंगे। असम पिछले 10 साल में स्वास्थ्य सुविधाओं का हब बना है। शाह नाथनपुर स्थित भारत-बांग्लादेश सीमा चौकी का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। वे शनिवार को गुवाहाटी के अर्जुन भोगेश्वर बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सीआरपीएफ के वार्षिक दिवस परेड में शामिल होंगे।

यह आयोजन पहली बार पूर्वोत्तर में हो रहा है। इसके अलावा वे सोनापुर के कसुतोली में 10वीं असम पुलिस बटालियन के नए परिसर की आधारशिला रखेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के दौरे से पहले बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी राज्य का दौरा किया था।कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी दो दिन के असम दौरे पर है। प्रियंका शुक्रवार सुबह गुवाहाटी के पास सोनापुर पहुंचीं।

यहां उन्होंने गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं।

उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए।

गौरव जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है।

लॉरेंस गैंग ने रणवीर सिंह से रु10 करोड़ मांगे थे! वॉइस नोट अमेरिकी नंबर से भेजा गया था

मुंबई। लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर ने एक्टर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए मांगे

थे। यह मांग एक धमकी भरे वॉइस नोट के जरिए की गई। वॉइस नोट अमेरिका के एक फोन नंबर से रणवीर सिंह के मैनेजर के व्हाट्सऐप पर भेजा गया था। यह दावा एनडीटीवी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से किया।सूत्रों के अनुसार बताया गया कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उस अमेरिकी नंबर के बारे में जानकारी के लिए अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क किया है। प्राथमिक जांच में वॉइस नोट की आवाज हैरी बॉक्सर से मिलती बताई गई है। वहीं, रणवीर सिंह को मिले इस धमकी भरे मैसेज पर अब तक एक्टर की ओर से कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, रणवीर सिंह को धमकी रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के करीब एक दिन बाद, 2 फरवरी को मिली थी।वहीं, इस खबर की जानकारी 10 फरवरी को मीडिया में आई। धमकी के बाद रणवीर सिंह के घर की सुरक्षा बढ़ाई गई। मामला मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपा गया। रणवीर और दीपिका ने प्राइवेट सिक्योरिटी भी बढ़ाई। छह हथियार से लैस सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए। इसके बाद 13 फरवरी को रणवीर सिंह और रोहित शेट्टी को एक और धमकी ऑडियो क्लिप के जरिए मिली। क्लिप में बोलने वाले व्यक्ति ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए कहा था, 'अब तुम्हें दिखाएंगे कि हमारी ताकत के आगे तुम्हारी सात पुश्तें भी कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगी। तुम्हारे सभी मैनेजर कहां रहते हैं, कब आते-जाते हैं और परिवार कहां रहता है, सब पता है। संभल जाओ, वरना एक-एक मैनेजर को निशाना बनाना शुरू करेंगे।' धमकी वाली यह ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने रणवीर और रोहित शेट्टी के मैनेजरों का बयान दर्ज किया था। कौन है हैरी बॉक्सर? हैरी बॉक्सर का असली नाम हरी चंद जाट है, जो लॉरेंस गैंग का एक्टिव मेंबर माना जाता है। हैरी राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है और पहले जयपुर में बॉक्सिंग कोच था, जिससे उसे बॉक्सर नाम मिला। उसके खिलाफ राजस्थान, पंजाब और दिल्ली में जबरन वसूली, लूट और हत्या के प्रयास के मामले दर्ज हैं।

मूवी रिव्यू

'शतक':सौ साल की विचारधारा पर बनी फिल्म, क्या इतिहास के कठिन सवालों का जवाब देती है या सिर्फ एक पक्ष दिखाती है?

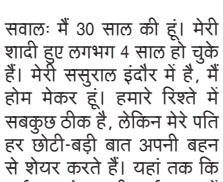

मुंबई। 'शतकः संघ के 100 वर्ष' एक ऐसी फिल्म है जो एक लंबे वैचारिक और ऐतिहासिक सफर को स्क्रीन पर समेटने की कोशिश करती है। निर्देशक आशीष मॉल ने 100 साल की कहानी को सीमित समय में पेश करने का जिम्मा उठाया है। फिल्म की टोन गंभीर और संतुलित रखने की कोशिश दिखाई देती है, लेकिन इतना बड़ा विषय अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आता है। फिल्म की कहानी फिल्म डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के शुरुआती जीवन से शुरू होकर माधव सदाशिव गोलवलकर के दौर तक पहुंचती है। कहानी आरएसएस की स्थापना, उसके विस्तार और अलग-अलग ऐतिहासिक घटनाओं में उसकी भूमिका को दिखाती है। हालांकि, नैरेटिव एक खास दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ता है। कुछ विवादित पहलुओं को बहुत हल्के ढंग से छुआ गया है। महात्मा गांधी की हत्या का जिक्र आता है, लेकिन हत्यारे का नाम नहीं लिया जाता। गांधी जी की हत्या के बाद लगे प्रतिबंध जैसे अहम ऐतिहासिक मोड़ों को भी संक्षेप में दिखाकर आगे बढ़ जाया जाता है, जिससे जटिल बहसों की गहराई सामने नहीं आ पाती। कई बड़े ऐतिहासिक घटनाक्रम तेज रफ्तार में गुजरते हैं, इसलिए फिल्म जानकारी ज्यादा देती है, भावनात्मक ठहराव

कम महसूस होता है।फिल्म में अभिनय कलाकारों ने संयमित और गंभीर अभिनय किया है। हेडगेवार और गोलवलकर के किरदार प्रभावशाली लगते हैं और फिल्म की टोन के अनुरूप रहते हैं। ओवरड्रामैटिक अंदाज से बचना फिल्म की ताकत है।फिर भी, तेज गति के कारण किरदारों का मानवीय पक्ष सीमित रह जाता है। कई जगह पात्र विचारों के प्रतिनिधि ज्यादा लगते हैं, इंसान कम। फिल्म का निर्देशन और टेक्निकल पहलू आशीष मॉल का निर्देशन नियंत्रित और साफ है। फिल्म उद्देश्य से भटकती नहीं। सीजीआई और वीएफएक्स का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर किया गया है, जिससे कई दृश्य भव्य लगते हैं। लेकिन यही तकनीकी चमक कुछ जगह कृत्रिम महसूस होती है। सेट और लोकेशन जरूरत से ज्यादा सजे हुए लगते हैं, जिससे उस दौर की वास्तविकता का असर थोड़ा कम हो जाता है। लगातार संवाद और घटनाओं की तेजी फिल्म को कई बार डॉक्यूमेंट्री या लेक्चर जैसा टोन दे देती है।फिल्म का म्यूजिक बैकग्राउंड स्कोर कहानी के माहौल को सपोर्ट करता है और गंभीरता बनाए रखता है। संगीत ओवरपावर नहीं करता, लेकिन ऐसा कोई खास म्यूजिक मोमेंट नहीं जो लंबे समय तक याद रहे। फिल्म को लेकर फाइनल वर्डिक्ट 'शतक' एक ईमानदार और महत्वाकांक्षी प्रयास है, जो अपने विषय को सम्मान के साथ पेश करती है। लेकिन तेज रफ्तार और चुनिंदा दृष्टिकोण की वजह से फिल्म पूरी गहराई नहीं पकड़ पाती। इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए एक ठीकठाक अनुभव, मगर सिनेमाई असर के लिहाज से सीमित।

भ्रामक विज्ञापन करने के लिए बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन को नोटिस

मुंबई। झालावाड़ उपभोक्ता न्यायालय ने भ्रामक विज्ञापन मामले में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन, माउंटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक बनाने वाली कंपनी और डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने 1 महीने में नोटिस का जवाब मांगा है। एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने उपभोक्ता आयोग में परिवार पेश करते हुए आरोप लगाया कि कोल्ड ड्रिंक कंपनी और इसके ब्रांड एंबेसडर ऋतिक रोशन विज्ञापन में जो दिखाते हैं, वह पूरी तरह भ्रामक है। विज्ञापन में दावा किया जाता है कि इस कोल्ड ड्रिंक को पीने से शरीर में अत्यधिक स्फूर्ति और ऊर्जा आती है, जिससे व्यक्ति असंभव लगने वाले साहसी काम भी आसानी से कर लेता है। एडवोकेट सिंह ने बताया कि विज्ञापन से प्रभावित होकर कोल्ड ड्रिंक खरीदी और उसको पीया, लेकिन विज्ञापन में किए गए दावों जैसा कोई अनुभव नहीं हुआ।एडवोकेट गुरुचरण सिंह ने कोर्ट को बताया- कंपनी और फिल्म स्टार मिलकर उपभोक्ताओं को गुमराह कर रहे हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 2(28) के तहत कोई भी ऐसा विज्ञापन जो किसी उत्पाद की गुणवत्ता, प्रकृति या उससे मिलने वाले लाभ के बारे में गलत जानकारी देता है, वह 'भ्रामक विज्ञापन' की श्रेणी में आता है।उपभोक्ता न्यायालय ने प्रारंभिक तौर पर मामले को सही पाया और परिवाद स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया तथ्यों में सच्चाई पाई, जिसके बाद सभी पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट अब इस बात की जांच करेगी कि क्या कंपनी द्वारा किए गए दावे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हैं या वे केवल ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए फैलाया गया एक भ्रम है।

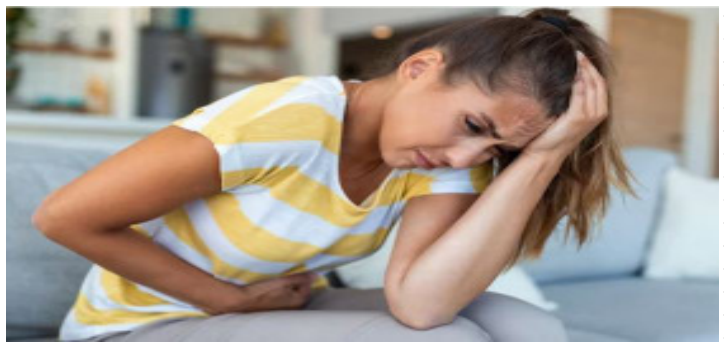

क्या आपको पीरियड्स के समय बुखार आता है,डॉक्टर से जानें क्या है पीरियड फ्लू, किन्हें ज्यादा जोखिम, कैसे करें बचाव

नयी दिल्ली। पीरियड साइकल में काफी असहज अनुभव होता है। खासतौर पर उन महिलाओं के लिए अधिक

असहज होता है, जिनका मेंस्ट्रुअल साइकल अनियमित रहता है। जिन महिलाओं को हर महीने पीरियड फ्लू होता है, उनके लिए यह अनुभव और भी ज्यादा तकलीफदेह हो सकता है। इसमें हर बार पीरियड्स में फ्लू जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है। पीरियड से पहले गले में खराश, बुखार और शरीर में कमजोरी या फ्लू जैसी स्थिति होती है। पीरियड महिलाओं की जिंदगी में नेचुरल क्रिया है, लेकिन ये कई बार काफी तकलीफदेह होते हैं। इसका कोई निश्चित आंकड़ा नहीं है कि कितनी महिलाएं पीरियड्स फ्लू का सामना करती हैं। हालांकि, 90फीसदी महिलाओं को प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। लगभग इन सभी महिलाओं को पीरियड्स फ्लू के लक्षणों का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज जानेंगे कि पीरियड्स फ्लू क्या है। साथ ही जानेंगे कि-इसके क्या लक्षण हैं? पीरियड्स फ्लू के क्या कारण हैं? इससे कैसे राहत मिल सकती है? पीरियड फ्लू क्या है? इसे मेंस्ट्रुअल फ्लू भी कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जो महिलाओं को उनके पीरियड शुरू होने से पहले, दौरान या बाद में प्रभावित करती है। भले ही यह कोई मेडिकली पुष्टि की गई बीमारी नहीं है, लेकिन यह बहुत सी महिलाओं में देखने को मिलती है। पीरियड के समय शरीर में होने वाले हॉर्मोनल बदलावों के कारण हर महिला पर अलग-अलग असर होते हैं। कुछ लोगों को पीरियड से ठीक पहले ही पीएमएस यानी प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का सामना करना पड़ता है। जबकि कुछ को पूरे पीरियड के दौरान तबीयत खराब लगती है। इसमें पीरियड फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं इसका कोई स्पष्ट आंकड़ा या वजह नहीं है कि कितनी महिलाओं में पीरियड फ्लू के लक्षण दिखते हैं, लेकिन प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम बहुत कॉमन है। लगभग 90फीसदी महिलाओं को जीवन में कभी-न-कभी पीएमएस के साथ ये लक्षण दिखते हैं। ज्यादातर मामलों में ये लक्षण हल्के होते हैं और कंट्रोल किए जा सकते हैं। पीएमएस के ज्यादा गंभीर रूप को प्री-मेंस्ट्रुअल डिस्फोरिक डिसऑर्डर कहा जाता है। यह लगभग 5फीसदी महिलाओं को प्रभावित करता है। डॉ. मितुल के मुताबिक, ये एक मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारी है, क्योंकि इससे गंभीर मानसिक

तनाव हो सकता है। जिस तरह सामान्य फ्लू के कई कारण हो सकते हैं, वैसे ही पीरियड फ्लू के भी कई कारण होते हैं। इसके सबसे कॉमन कारण ग्राफिक में देखिए। 1. हॉर्मोनल बदलाव-एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के स्तर में उतार-चढ़ाव शरीर में सूजन और इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया पैदा कर सकते हैं, जिससे फ्लू जैसे लक्षण महसूस होते हैं। 2. पोषण की कमी- अगर शरीर में विटामिन डी, आयरन, जिंक या मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो तो थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। 3. तनाव-तनाव इम्यून सिस्टम को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की चपेट में आ सकता है। 4. संक्रमण- सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे संक्रमण पीरियड के लक्षणों को और खराब कर सकते हैं और पीरियड फ्लू जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं। 5. ऑटोइम्यून डिजीज-लूपस और रुमेटॉइड अर्थराइटिस जैसी बीमारियों से पीड़ित महिलाओं में इम्यून सिस्टम की गड़बड़ी के कारण शरीर में सूजन हो सकती है। 6. एलर्जी-खाने या किसी और चीज से एलर्जी होने पर भी पीरियड फ्लू जैसे लक्षण दिख सकते हैं। इसमें मतली , सिरदर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। 7. एंडोमेट्रिओसिस-इस स्थिति में बच्चेदानी की परत जैसा टिशू गर्भाशय के बाहर बढ़ने लगता है, जिससे भारी और दर्दनाक पीरियड, पेट फूलना और थकावट होती है। 8. एडेनोमायोसिस-इसमें गर्भाशय की परत मांसपेशियों में अंदर तक बढ़ जाती है, जिससे पीरियड के दौरान बहुत ज्यादा ब्लीडिंग और तेज ऐंठन होती है। 9. थायरॉइड की समस्या-हाइपोथाइरॉइडिज्म और

हाइपरथाइरॉइडिज्म दोनों से हॉर्मोनल असंतुलन हो सकता है, जिससे पीरियड से पहले बुखार और फ्लू जैसे लक्षण आ सकते हैं। 10. दवाइयां-कुछ दवाइयां, जैसे पेनकिलर या बर्थ कंट्रोल पिल्स गले में खराश, कंपकंपी, मांसपेशियों में दर्द जैसे फ्लू के लक्षण पैदा कर सकती हैं। कैसे मिलेगी राहत-अगर आपको पीरियड फ्लू हो गया है, तो ऐसे कई आसान उपाय हैं जिनसे आप इसके लक्षणों को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। अगर इन सुझावों पर ध्यान दें तो ये मददगार हो सकता है-पर्याप्त आराम करेंः शरीर को ठीक होने के लिए पर्याप्त नींद और आराम दें। इससे थकान कम होगी और शरीर संक्रमण से लड़ पाएगा। पर्याप्त पानी पिएंः खूब सारा पानी और हर्बल चाय जैसी तरल चीजें पिएं। इससे सिरदर्द, पेट फूलना और कमजोरी जैसे लक्षण कम हो सकते हैं। गर्म सिंकाई करेंः पेट के निचले हिस्से या कमर पर गर्म पानी की बोतल या हीट पैड रखने से ऐंठन और मांसपेशियों के दर्द में राहत मिलती है। दवाई लेंः इबुप्रोफेन या पेरासिटामोल जैसी ओवर-द-काउंटर दवाएं दर्द और बुखार को कम करने में मदद कर सकती हैं। ट्रिगर से बचेंः कैफीन, तीखा खाना और शराब जैसी चीजें पीरियड फ्लू, बदहजमी और माइग्रेन को बढ़ा सकती हैं। इनसे दूर रहना बेहतर है। हल्की एक्सरसाइज करेंः अगर शरीर साथ दे तो हल्की सैर या योग करें।

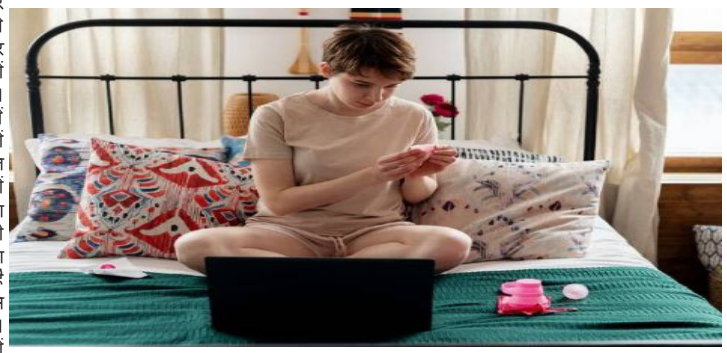

इससे न सिर्फ शारीरिक लक्षणों में राहत मिलती है, बल्कि तनाव और बेचैनी भी कम होती है। गले के लिए गरारे करेंः अगर पीरियड से पहले गले में खराश हो रही है, तो नमक के पानी से गरारे करें लें, खासकर रात में जब दर्द ज्यादा महसूस होता है।

गर्म कपड़े पहनेंः अगर आपको पीरियड के दौरान बुखार या ठंड लग रही हो, तो खुद को गर्म रखें और परतों में कपड़े पहनें। ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करेंः अगर आपका गला सूख रहा है या जलन हो रही है, तो कमरे में ह्यूमिडिफायर लगाएं। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और राहत मिलेगी।

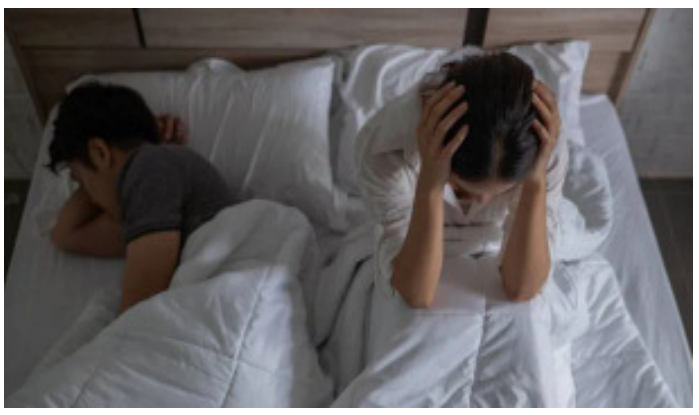

हसबैंड निजी बातें अपनी बहन को बताता हैःमुझे चाहिए प्राइवेसी, क्या मैं ओवरथिंक कर रही या हमारी शादी खतरे में है

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा और उनसे समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से।

सवालः मैं 30 साल की हूं। मेरी शादी हुए लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरी ससुराल इंदौर में है, मैं होम मेकर हूं। हमारे रिश्ते में सबकुछ ठीक है, लेकिन मेरे पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं। यहां तक कि कई बार वे हमारी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे यह सब बहुत अजीब लगा। उसके बाद से मुझे ऐसा महसूस होता है कि जैसे हमारे रिश्ते में कोई प्राइवेसी ही नहीं बची है। जब मैं अपने पति से इस बारे में कोई सवाल करती हूं तो वो कहते हैं कि वो मेरी बहन ही तो है, उससे सब शेयर करना कोई गलत बात नहीं है। अब मैं परेशान हूं कि क्या मैं ओवरथिंक कर रही हूं या वाकई ये मेरी मैरिड लाइफ के लिए खतरा हो सकता है? मुझे अपने रिलेशनशिप को बचाने के लिए क्या करना चाहिए? क्या मुझे किसी काउंसलर की हेल्प लेनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल सही है। शादी के चार साल बाद भी रिश्ते में प्राइवेसी का मुद्दा उठना कोई छोटी बात नहीं है। आपने बताया कि आपके पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं, यहां तक कि पर्सनल बातें भी। इससे आपको लगता है कि रिश्ते की गोपनीयता खत्म हो गई है। और जब आप विरोध करती हैं, तो वो कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सुनकर आपको लग रहा होगा कि शायद आप ज्यादा सोच रही हैं, लेकिन नहीं, ये एक असली समस्या है। मैंने ऐसे कई कपल्स को देखा है जहां फैमिली में ज्यादा शेयरिंग से रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। इसे धीरे-धीरे समझते हैं और देखते हैं कि क्या करना चाहिए। सबसे पहले, खुद को दोष मत दीजिए। शादी एक ऐसा रिश्ता है जहां दो लोग एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं। यहां प्राइवेसी का मतलब है कि कुछ बातें सिर्फ आप दोनों के बीच रहें। जब कोई तीसरा इंसान, चाहे वो बहन ही क्यों न हो, उन बातों में शामिल हो जाता है, तो रिश्ते की नींव हिल सकती है। आप ओवरथिंक नहीं कर रही हैं; ये आपका हक है कि आप अपने रिश्ते की प्रोटेक्शन चाहें। बहुत सी महिलाएं ऐसी स्थिति में खुद को अकेला महसूस करती हैं, क्योंकि समाज हमें सिखाता है कि फैमिली को खुश रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखिए, आपकी मैरिड लाइफ आपकी है, और उसमें बाउंड्रीज जरूरी हैं। चलिए, इसे एक सिंपल उदाहरण से समझते हैं। सोचिए, आपका घर एक गार्डन है।

उसमें फूल खिलाने के लिए आप दोनों मिलकर पानी देते हैं, देखभाल करते हैं। लेकिन अगर हर कोई बाहर से आकर उसमें हाथ डाले, तो वो गार्डन कैसा रहेगा? ठीक वैसे ही, रिश्ते में प्राइवेसी वो बाड़ा है जो बाहर की हवा से बचाता है। जब पति अपनी बहन से सब शेयर करते हैं, तो वो बाड़ा टूट जाता है। इससे ट्रस्ट

कम होता है, क्योंकि आपको लगता है कि आपकी बातें सुरक्षित नहीं हैं।

रिसर्च बताती है कि कपल्स जो प्राइवेसी बनाए रखते हैं, उनके रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं। लेकिन अगर शेयरिंग ज्यादा हो जाए, तो मिसअंडरस्टेंडिंग बढ़ सकती है, और कभी-कभी फैमिली में दखलअंदाजी शुरू हो जाती है। आपके पति कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सही है कि फैमिली से कुछ बातें शेयर की जा सकती हैं, जैसे खुशी के मोमेंट्स या जनरल एडवाइज। लेकिन पर्सनल बातें, जैसे इंटिमेट डिटेल्स, फाइनेंशियल इश्यूज या झगड़े, वो बाहर नहीं जानी चाहिए। ये ओवर शेयरिंग है, जो रिश्ते को कमजोर करती है। उदाहरण के लिए, अगर आपका पति आपकी कोई कमजोरी बहन से शेयर कर दे, तो वो अनजाने में आप पर असर डाल सकती है। या अगर कोई फैमिली प्रॉब्लम है, तो बाहर शेयर करने से वो और बड़ा बन जाता है। ये न सिर्फ आपके लिए, बल्कि उनके लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे रिश्ते में असुरक्षा आ जाती है। क्या ये रिश्ते के लिए खतरा है? हां, बिल्कुल। अगर ये आदत जारी रही, तो आपकी मैरिड लाइफ में कई प्रॉब्लम्स आ सकती हैं। सबसे पहले, आप दोनों के बीच कम्युनिकेशन कम हो सकता है, क्योंकि आपको डर लगेगा कि बात बाहर जाएगी। दूसरा, बहन की एडवाइज से आपके फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो रिश्ते की बैलेंस बिगाड़ देगा।

तीसरा, लंबे समय में ये रिसेंटमेंट पैदा कर सकता है- आप पति से नाराज रहेंगी, और वो समझ नहीं पाएंगे। मैंने क्लिनिक में ऐसे केस देखे हैं जहां ओवर शेयरिंग से डिवोर्स तक बात पहुंच गई। लेकिन अच्छी बात ये है कि इसे ठीक किया जा सकता है, अगर दोनों मिलकर कोशिश करें। कपल को रिलेशनशिप से बाहर ये बातें शेयर नहीं करनी चाहिए-कपल्स को कभी भी अपने रिलेशनशिप से बाहर प्राइवेट बातें नहीं शेयर करनी चाहिए। ग्राफिक में दी ये लिस्ट रिश्ते की प्राइवेसी बनाए रखने के लिए जरूरी है। अब इन बातों को थोड़ा विस्तार से समझते हैं-पहली बात, सेक्स लाइफ की इंटीमेट डिटेल्सः ये सबसे पर्सनल मोमेंट्स हैं, इन्हें शेयर करने से रिश्ते की पवित्रता टूटती है और ट्रस्ट कम होता है। दूसरी, पार्टनर की कमजोरियांः इन्हें बाहर बताने से दूसरे लोग आपके पार्टनर का सम्मान कम कर सकते हैं और कभी ये उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं। तीसरी, फाइनेंशियल डिटेल्सः पैसे की दिक्कतें या कमाई शेयर करने से अनचाहा एडवाइज, दया या गलतफहमी हो सकती है।चौथी, फैमिली सीक्रेट्सः संवेदनशील पास्ट या ट्रॉमा बाहर जाने से असुरक्षा बढ़ती है। पांचवीं, रिलेशनशिप प्रॉब्लम्सः झगड़ों को बाहर वेंट करने से दूसरे लोग बायस्ड हो जाते हैं और प्रॉब्लम बड़ी हो जाती है। छठी, पास्ट ट्रॉमाजः ये गहरी बातें शेयर करने से पार्टनर असुरक्षित फील कर सकता है। सातवीं, पर्सनल गोल्सः इन्हें जल्दी शेयर करने से मोटिवेशन कम हो सकता है। आठवीं, फैमिली मैटर्सः घर की बातें बाहर न जाएं, वरना सीक्रेट्स लीक हो सकते हैं। नौवीं, रोमांटिक जेस्चर्सः गिफ्ट्स या स्पेशल मोमेंट्स की डिटेल्स शेयर करने से उनका महत्व कम हो जाता है।

दसवीं, पास्ट रिलेशनशिप्सः पुरानी बातें लाने से खटास आ सकती है। अब क्या करें? सबसे पहले, अपने पति से खुलकर बात करें। लेकिन ये सारी बातें गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से करें। उन्हें बताएं कि आप उनकी बहन से प्यार करती हैं, लेकिन कुछ बातें सिर्फ आप दोनों की हैं। उन्हें कहें कि मुझे लगता है कि हमारी प्राइवेसी जरूरी है, ताकि हमारा रिश्ता मजबूत रहे।

अगर वो समझें, तो अच्छा है। लेकिन अगर न मानें, तो बाउंड्री सेट करें। उन्हें बताएं कि पर्सनल बातें शेयर न करें, वो सिर्फ हमारी बातें हैं। बहन से दूरी नहीं, बैलेंस बनाना जरूरी-उन्हें ये समझाएं कि बहन से रिश्ता नहीं तोड़ना है। बस बैलेंस बनाना जरूरी है। पति को समझाएं कि फैमिली इंपॉर्टेंट है, लेकिन मैरिज अलग है। अगर वो न बदलें, तो फैमिली काउंसलिंग लें। ये मदद करेगी।

याद रखिए, रिश्ता दो लोगों का है, और प्राइवेसी उसकी सेफ्टी है। खुद को सशक्त बनाएं-आखिर में, खुद पर फोकस करें। अपनी फीलिंग्स को वैलिडेट करें और अगर जरूरी हो तो दोस्तों से बात करें, लेकिन पर्सनल डिटेल्स न शेयर करें। आप एक हेल्दी रिश्ते की हकदार हैं, जहां ट्रस्ट और प्राइवेसी हो। अगर कोशिश से बात बने, तो अच्छा। वर्ना, अपनी खुशी को प्राथमिकता दें। आप अकेली नहीं हैं, कई महिलाएं इससे गुजरती हैं और बाहर निकलती हैं। हिम्मत रखिए, सब ठीक होगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।